चैत्र कृष्ण पक्ष द्वादशी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 268 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
26 मार्च 2025 बुधवार

आज का मौसम
35 अधिकतम
21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- असंवेदनशील है इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी...खेद है

नाबालिग मामले में आए फैसले पर स्वत : संज्ञान लिया, निर्णय पर रोक

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आज इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी है, जिसमें कहा गया था कि नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट पकड़ना और उसके पायजामे के नाड़े को तोड़ना रेप नहीं। जस्टिस बीआर गवई और एजे मसीह की बेंच ने आज इस केस पर सुनवाई की व कहा- हाईकोर्ट के आदेश में की गई कुछ टिप्पणियां पूरी तरह असंवेदनशील और अमानवीय नजरिया दिखाती हैं। एक जज द्वारा ऐसे कठोर शब्दों का प्रयोग करने के लिए खेद है। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। एक दिन पहले यानि कल मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर खुद सुनवाई का फैसला किया था। इस फैसले पर कानूनी विशेषज्ञों, राजनेताओं और अलग-अलग क्षेत्रों के एक्सपर्ट्स के विरोध के बाद सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा था। हालांकि, पहले इसी केस पर दायर एक याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया था। इस याचिका में जजमेंट के विवादित हिस्से को हटाने की मांग की गई थी।

क्या कहा था इलाहाबाद हाईकोर्ट

किसी लड़की के निजी अंग पकड़ लेना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ देना और जबरन उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश से रेप या 'अटेम्प्ट टु रेप' का मामला नहीं बनता। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने ये फैसला सुनाते हुए दो आरोपियों पर लगी धाराएं बदल दीं व तीन आरोपियों के खिलाफ दायर क्रिमिनल रिवीजन पिटीशन स्वीकार कर ली थी। दरअसल, यूपी के कासगंज की एक महिला ने कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपनी 14 साल की बेटी के साथ शाम को अपने घर लौट रही थीं। रास्ते में गांव के रहने वाले पवन, आकाश और अशोक मिल गए, पवन ने बेटी को अपनी बाइक पर बैठाकर घर छोड़ने की बात कही। मां ने उस पर भरोसा करते हुए बाइक पर बैठा दिया, लेकिन रास्ते में पवन और आकाश ने लड़की के प्राइवेट पार्ट को पकड़ लिया। आकाश ने उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करते हुए उसके पायजामे की डोरी तोड़ दी। लड़की की चीख-पुकार सुनकर ट्रैक्टर से गुजर रहे सतीश और भूरे मौके पर पहुंचे। इस पर आरोपियों ने देसी तमंचा दिखाकर दोनों को धमकाया और फरार हो गए।

इंसान की हत्या से बदतर है पेड़ों को काटना, 4.54 करोड़ रुपए जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने पेडों की कटाई के मामले में सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि बड़ी संख्या में पेड़ों को काटना किसी इंसान की हत्या से भी बदतर है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों पर कोई दया नहीं दिखाई जानी चाहिए। कोर्ट ने अवैध रूप से काटे गए प्रत्येक पेड़ के लिए एक लाख रुपए का जुर्माना लगाने को मंजूरी दी है। जुर्माने के खिलाफ लगाई याचिका को खारिज भी किया है। जानकारी के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट एक याचिका की सुनवाई कर रहा था, जिसमें एक व्यक्ति ने पेड़ काटने पर जुर्माना लगाने पर जुर्माना और कार्रवाई न करने की मांग की थी। सीनियर एडवोकेट एडीएन राव के सुझाव को जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने स्वीकारा कि अपराधियों को यह स्पष्ट संदेश दिया जाना चाहिए कि कानून और पेड़ों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। न्यायालय ने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति की रिपोर्ट स्वीकार कर ली है, जिसमें शिवशंकर अग्रवाल ने पिछले साल काटे गए 454 पेड़ों के लिए प्रति पेड़ 1 लाख रुपए (कुल 4.54 करोड़) का जुर्माना लगाया गया था। अग्रवाल का केस लड़ रहे सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने पीठ को बताया कि उनके मुवक्किल ने गलती स्वीकार कर ली है और माफी मांगी है। उसे किसी अन्य जमीन पर पौधारोपण की अनुमति दी जाना चाहिये।

मप्र में भी तैनात होंगे साइबर कमांडो

नई दिल्ली/भोपाल। देशभर में हो रहे साइबर हमले से निपटने, साइबर जालसाजों के नेटवर्क का राजफाश करने के लिए प्रदेश में खास कमांडो पदस्थ होंगे। खबरों के मुताबिक अप्रैल से छह कमांडो काम करने भी लगेंगे। मप्र के लिए साइबर कमांडो के पहले बैच का छह माह का प्रशिक्षण 31 मार्च को पूरा हो रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशभर में अलग-अलग बैच में मिलाकर पांच हजार कमांडो तैनात करने का निर्णय लिया है। बताया जाता है कि दूसरे बैच में प्रदेश के 39 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण के लिए भेजा जा रहा है। प्रशिक्षण लिए जाने वालों में आरक्षक से लेकर उप पुलिस अधीक्षक स्तर तक के अधिकारी शामिल हैं। कमांडो साइबर नेटवर्क या सिस्टम में हैकिंग और वायरस के हमलों से निपटने के लिए काम करेंगे। हमले की स्थिति में त्वरित निराकरण के लिए काम करेंगे। खतरों से आगाह भी करेंगे तथा साइबर नेटवर्क या सिस्टम में हैकिंग और वायरस के हमलों से निपटने के लिए काम करेंगे तथा महत्वपूर्ण संस्थानों के डेटा लीक होने से बचाने के सुझाव देंगे।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 20-25 के अंतर्गत हुआ राज्य स्तरीय सम्मेलन

अब मध्यप्रदेश में अगले 4 वर्ष में सहकारिता आंदोलन की नई कहानी व मुकाम का मिशन

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सहकारिता के क्षेत्र में जरूरी बदलाव और नये तरीकों से काम करने पर बल दिया है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के तहत आज हुए राज्यस्तरीय सम्मेलन में कहा कि मध्यप्रदेश भी सहकारिता को पूरा महत्व देते हुए निश्चित ही नए दौर की नई कहानी लिखेगा। जिस तरह गुजरात में दूध पर बोनस की व्यवस्था है, उसी तरह मध्यप्रदेश भी इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन के लिए काफी बड़ा क्षेत्र है और हाल ही में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में भी उद्योग क्षेत्र के साथ सहकारिता ने कार्य करने की भी पहल की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता के विभिन्न आयाम को महत्व देते हुए बहुजन हिताय बहुजन सुखाय के भाव के अनुसार कार्य करने के लिए मार्गदर्शन दिया है। मध्य प्रदेश में भी सहकारिता आंदोलन को हरसंभव गति दी जा रही है। अब सहकारिता क्षेत्र में व्यवस्थाएं काफी पारदर्शी हैं और मध्यप्रदेश में सहकारिता के विभिन्न आयामों पर कार्य किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री यादव ने सम्मेलन में आए प्रदेश भर के प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने सहकारिता विभाग को सहकारिता निरीक्षकों के नियुक्ति के पत्र भी सौंपे। उन्होंने विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के वार्षिक कैलेंडर, पैक्स कार्य मैन्युअल और सहकारिता में सहकार, टैक्स पुनर्गठन और व्यवसाय संवर्धन के महत्वपूर्ण परिपत्रों की पुस्तिका का विमोचन किया तथा माइक्रो एटीएम पखवाड़े का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने उत्कृष्ट पैक्स और दुग्ध सहकारी संस्थाओं, मत्स्य पालन सहकारी संस्थाओं को पुरस्कार प्रदान किया। इनमें विदिशा इंदौर और खरगोन की संस्थाएं शामिल हैं।

ओबीसी आरक्षण-मानहानि मामले में आज सुनवाई

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा द्वारा 10 करोड़ की मानहानि के मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की तारीख है। गत सप्ताह 19 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई थी। जिसमें कोर्ट ने शिवराज को अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष व्यक्तिगत पेशी से छूट दी थी। तन्खा का आरोप है कि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह ने राजनीतिक लाभ के लिए उनके खिलाफ समन्वित, दुर्भावनापूर्ण, मानहानिकारक अभियान चलाया और मध्यप्रदेश में 2021 के पंचायत चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाया गत सप्ताह सुप्रीम कोर्ट पीठ याचिका पर सुनवाई आज 26 मार्च तक टाल दी थी। खबरों के मुताबिक शिवराज सिंह की तरफ से पैरवी सीनियर एडवोकेट महेश जेठमलानी, जबकि तन्खा की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अधिवक्ता सुमीर सोढ़ी पैरवी कर सकते हैं। दरअसल, 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने पंचायत चुनाव में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर रोक लगा दी थी। तन्खा ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पंचायत और निकाय चुनाव में रोटेशन और परिसीमन को लेकर पैरवी की थी। तब भाजपा नेताओं ने तन्खा को ओबीसी विरोधी बताते हुए बयान दिये थे।

चौकसी बेल्जियम में, खुद सरकार ने बताया, प्रत्यर्पण के प्रयास

पीएनबी बैंक घोटाले का आरोपी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत का भगोड़ा हीरा कारोबारी और पंजाब नेशनल बैंक घोटाले का मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी इन दिनों यूरोपीय देश बेल्जियम में है। खुद बेल्जियम ने इसकी पुष्टि की है। बेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने ऑफिशियल स्टेटमेंट में चोकसी की देश में मौजूदगी की जानकारी दी, साथ ही कहा- हम मामले की अहमियत समझते हैं। हालांकि, बेल्जियम ने भी कहा- हम व्यक्तिगत मामलों पर टिप्पणी नहीं करते। फिर भी विदेश विभाग इस महत्वपूर्ण मामले में होने वाली घटनाओं पर लगातार नजर बनाए हुए है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत ने बेल्जियम के अधिकारियों से चोकसी के प्रत्यर्पण (एक्स्ट्रेडिशन) प्रक्रिया शुरू करने के लिए संपर्क किया है। चोकसी और एक अन्य भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी पर पीएनबी की मुंबई स्थित ब्रेडी हाउस ब्रांच में 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। इससे पहले चोकसी ने पासपोर्ट सस्पेंड होने के कारण भारत नहीं लौट पाने का बहाना बनाया था।

बघेल समेत पांच अफसरों पर अब सीबीआई की छापेमारी

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर अब सीबीआई ने छापेमारी की है। उनके अलावा भिलाई विधायक देवेंद्र यादव और पांच आईपीएस अफसर अभिषेक पल्लव, एएसपी संजय ध्रुव, आरिफ शेख, आनंद छाबड़ा, प्रशांत अग्रवाल सहित दो सिपाही नकुल-सहदेव के घर भी सीबीआई ने छापा मारा है। महादेव सट्टा ऐप मामले में टीम ने यह दबिश दी है। जानकारी के मुताबिक सीबीआई की 10 से अधिक टीमें आज तड़के रायपुर से निकली इनमें से एक बघेल के घर पहुंची। बाकी टीमें बघेल के भिलाई तीन पदुम नगर के घर व अन्य लोगों के घर पहुंची। देवेंद्र और भूपेश बघेल के यहां समर्थकों की भीड़ इनके आवास पर जमा हो गई है। दरअसल, होली से ठीक पहले भी भूपेश बघेल के घर ईडी ने छापेमारी की थी। तब टीम के जाने के बाद भूपेश बघेल ने कहा कि, 32-33 लाख रुपए और दस्तावेज टीम ले गई है। इसमें मंतूराम केस की पेनड्राइव भी है। उल्लेखनीय है कि महादेव बेटिंग ऐप ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए बनाया ऐप है। इस पर यूजर्स पोकर, कार्ड गेम्स, चांस गेम्स नाम से लाइव गेम खेलते थे। ऐप के जरिए क्रिकेट, बैडमिंटन, टेनिस, फुटबॉल जैसे खेलों और चुनावों में अवैध सट्टेबाजी भी की जाती थी। सट्टे के नटवर्क के जरिए इस ऐप का जाल तेजी से फैला और सबसे ज्यादा खाते छत्तीसगढ़ में खुले।

इससे पहले ईडी ने मारे थे छापे

मेट्रो एंकर कॉमेडियन कुणाल केस में अब मशहूर फिल्ममेकर ने 25 साल पुरानी आपबीती बताई

मेरा भी मुंह काला किया, पैरों पर गिरकर माफी मंगवाई थी...

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के समर्थकों द्वारा कामेडियन कुणाल कामरा को निशाना बनाने,तोडफोड व धमकाने के मामले में अब फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने कामरा के समर्थन में अपनी आवाज़ उठाई है और 25 साल पुरानी एक दर्दनाक घटना को याद किया। उन्होंने कहा कि तब उनके साथ भी वैसा ही व्यवहार हुआ था जैसा आज कुणाल के साथ हो रहा है। हंसल मेहता की यह आपबीती महाराष्ट्र की सियासत में हिंसा और असहिष्णुता के लंबे इतिहास को उजागर करती है। मेहता के अनुसार क़रीब 10 हज़ार लोगों की भीड़ और 20 राजनीतिक हस्तियों की मौजूदगी में उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, जबकि मुंबई पुलिस चुपचाप देखती रही। फिल्ममेकर मेहता ने अपनी कहानी साझा करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, कुणाल के साथ जो हुआ, वह महाराष्ट्र के लिए नया नहीं है। मैं खुद इससे गुजर चुका हूँ। पच्चीस साल पहले उसी (तब अविभाजित) राजनीतिक दल के समर्थकों ने मेरे दफ्तर पर धावा बोला था। उन्होंने वहाँ तोड़फोड़ की, मुझे शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया, मेरा चेहरा काला किया और एक फ़िल्म के एक डायलॉग के लिए मुझे सार्वजनिक रूप से एक बुजुर्ग महिला के पैरों में गिरकर माफ़ी माँगने के लिए मजबूर किया। मेहता ने आगे कहा कि यह घटना उनकी फिल्म दिल पे मत ले यार के एक डायलॉग को लेकर हुई थी, जो सेंसर बोर्ड द्वारा पहले ही पास कर दी गई थी। फिर भी, क़रीब 10 हजार लोगों की भीड़ और 20 राजनीतिक हस्तियों की मौजूदगी में उन्हें अपमानित किया गया, जबकि मुंबई पुलिस मूकदर्शक बनी रही। मेहता ने कहा, %इस घटना ने न सिर्फ़ मेरे शरीर को चोट पहुंचाई, बल्कि मेरे हौसले को भी तोड़ दिया था। मेरी फिल्म मेकिंग पर इसका गहरा असर पड़ा और मुझे चुप रहने के लिए मजबूर किया।% अब कुणाल कामरा को हिंसा और धमकियों की निंदा करते हुए कहा कि चाहे कितना भी उकसावा हो, हिंसा और अपमान को जायज नहीं ठहराया जा सकता। ज्ञात हो कि शिवसेना कार्यकर्ताओं ने मुंबई के एक स्टूडियो में तोड़फोड़ की थी।

कुणाल का नया वीडियो- *हम होंगे कंगाल...*

पैरोडी सॉन्ग विवाद में कामरा को अब जान से मारने की धमकी मिल रही है। कम से कम 500 धमकी भरे कॉल आए हैं। जिसमें लोगों ने टुकड़े-टुकड़े करने की धमकी दी है। उधर पुलिस ने कामरा को समन जारी कर पूछताछ के लिए खार पुलिस स्टेशन बुलाया गया था। लेकिन कामरा के वकील ने पुलिस से 7 दिन का समय मांगा है। कामरा फिलहाल मुंबई से बाहर हैं। 36 वर्षीय स्टैंड-अप कॉमेडियन ने फिल्म 'दिल तो पागल है' के एक गाने की पैरोडी की थी, जिसमें शिंदे को गद्दार कहा गया। इस बीच कुणाल ने एक और नया पैरोडी सॉन्ग सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। हम होंगे कामयाब की लाइन को बदलकर उन्होंने हम होंगे कंगाल एक दिन में बदल दिया।

जंगल छोड़ आबादी के बीच डेरा जमाया चीतों ने, महकमा चिंतित

श्योपुर, एजेंसी

कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल में छोड़े गए मादा चीता ज्वाला और उसके चार शावकों ने जंगल छोडकर अब रिहायशी क्षेत्र में डेरा जमाया है। इससे चीता प्रबंधन में नई चुनौतियां उभर आई हैं। यह चीते यहां से और आगे बढ़े तो वह राजस्थान की सीमा में प्रवेश कर जाएंगे। इस बात को लेकर वन अफसर परेशान हैं। रिहायशी क्षेत्र में चीतों की मौजूदगी से मानव द्वंद्व का भी खतरा भी पैदा हो रहा है। हालांकि पहले से ही चीतों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए जिन चीता मित्रों को तैयार किया गया था। फिलहाल तो शनिवार से ही चीते आबादी वाले क्षेत्र वीरपुर में डेरा जमाए हैं वे तेलीपुरा गांव के पास भी पहुंच रहे हैं। हालांकि कूनो की ट्रैकिंग टीम व सामान्य वन मंडल का अमला चीतों की निगरानी कर रहा है।

भोपाल. शहर में कई ऐसे इलाके जहां हर तरफ कचरा और गंदगी फैली हुई है।

शहर में 'राउंड द क्लॉक' बनेगी स्वच्छ एनर्जी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल आने वाले वर्षों में स्वच्छ ऊर्जा का एक नया पॉवर सेंटर बनेगा। सोलर पैनल से जुड़ीं तीन बड़ी कंपनियां भोपाल में अपने प्लांट स्थापित करने जा रही हैं। जिन प्रमुख कंपनियों ने निवेश में रुचि दिखायी है, उनमें जिंदल, केपीआइ ग्रीन और केपी ग्रुप प्रमुख हैं। इनके हाइब्रिड प्लांट होंगे। इनसे राउंड द क्लॉक यानी दिन-रात दोनों समय 24 घंटे बिजली मिलेगी। प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा में पौने छह लाख करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। इसका 10 फीसदी भी भोपाल के हिस्से में आया तो यह राशि 50 हजार करोड़ रुपए होगी। यदि ये कंपनियां 2200 मेगावाट एनर्जी पैदा करेंगी तो पर्याप्त बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। इसके अलावा भोपाल में विंड एनर्जी,बायो-सीएनजी और कचरे से भी बिजली प्रोडॅक्शन की योजना पर गंभीरता से कार्य चल रहा है।

हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा

सोलर के साथ विंड एनर्जी के प्लांट जुड़े होंगे। सोलर से ऊर्जा दिन में उपलब्ध होगी, पवन ऊर्जा रात में उत्पन्न होती रहेगी। हाइड्रो पॉवर को भी जोड़ दें तो राउंड द क्लॉक बिजली बनेगी। 2012 से अब तक प्रदेश में नवीनकरणीय ऊर्जा 11 गुना बढ़ी है, लेकिन, भोपाल में एक फीसदी भी नहीं है। नए प्रोजेक्ट से इसमें तेजी आएगी।

हाइब्रिड प्लांट से दिन-रात 24 घंटे बनेगी बिजली
50 हजार करोड़ से अधिक लागत के प्रोजेक्ट लगेंगे

पंप स्टोरेज से सहेजेंगे ऊर्जा

दिन में उत्पादित अतिरिक्त सौर या पवन ऊर्जा को बैटरियों में तो स्टोर करने के अलावा पंप स्टोरेज हाइड्रोपावर यानी पानी को ऊंचाई पर पंप करने टर्बाइन प्रणाली से भी एनर्जी स्टोर की जाएगी। जिससे बाद में बिजली उत्पादन होगा। नवीकरणीय ऊर्जा से पानी का इलेक्ट्रोलिसिस करके हाइड्रोजन उत्पन्न किया जाएगा, जिसे ईंधन के रूप में इस्तेमाल कर निरंतर बिजली उत्पादन होगा। इसके अलावा भोपाल में पौधारोपण और ग्रीन कवर बढ़ाकर, नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम को संचालित कर ग्रीन हाउस उत्सर्जन कम करने की भी योजना पर काम चल रहा है। रिन्यूएबल एनर्जी को लेकर काफी बेहतर रिस्पांस आया है। टीम अब निवेशकों के संपर्क में है और पूरी मदद देकर प्रोजेक्ट्स तय समय में पूरे कराएंगे। भोपाल में रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स इसकी असीम संभावनाएं हैं। 19 ताल-तलैयाओं में ओंकारेश्वर की तरह फ्लोटिंग प्लांट स्थापित किया जा सकता है। सात पहाड़ियां हैं, यहां विंड एनर्जी के नए प्रोजेक्ट्स लग सकते हैं। कलियासोत नदी शहर में 17 किमी तक बहती है। यहां बड़े हिस्से में ग्रीन एनर्जी प्लांट स्थापित हो सकते हैं। स्टॉप डेम बनाकर फ्लोटिंग प्लांट लगा सकते हैं।

मप्र मानव अधिकार आयोग

स्कूल परिसर में असामाजिक तत्वों का आतंक, सुरक्षा तक नहीं, जांच के निर्देश

आयोग ने कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, डीईओ, आबकारी अधिकारी से मांगी रिपोर्ट

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के दो मामलों में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए हैं। पहला मामला आनंद नगर स्थित शासकीय प्राथमिक शाला हथाईखे?ा में स्कूल परिसर की बाउंड्रीवाल टूटी होने से स्कूल के मैदान में आये दिन असामाजिक तत्वों, नशे?ी और मवेशी के आने का है। आयोग के संज्ञान में आया है कि स्कूल में 115 बच्चे अध्ययनरत हैं और स्कूल परिसर में ही हॉस्टल भी है, जहां 100 से अधिक बच्चे रहते है। वहीं आंगनबा?ी केंद्र भी संचालित है। स्कूल में रोजाना 250 से अधिक छात्र सहित स्टाफ आता है, लेकिन स्कूल परिसर की सुरक्षा के लिये बाउंड्री नहीं बने होने से वहां नशे?ी और मवेशी घुस आते है। असामाजिक तत्वों द्वारा मैदान में बैठकर शराब पी जाती है और शराब की बोतल फो?कर वहीं फेंक दी जाती है। इस कारण बच्चों और स्टाफ की सुरक्षा और जान को खतरा बना हुआ है। मामले में आयोग ने कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, जिला आबकारी अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही की रिपोर्ट भी तलब की है।

महिला बंदी की मौत, जांच के निर्देश

भोपाल शहर के गांधी नगर स्थित केंद्रीय जेल में एनडीपीएस एक्ट में बंद एक महिला बंदी की इलाज के दौरान अस्पताल में मृत्यु होने की घटना सामने आई है। आयोग के संज्ञान में आया है कि ब्रेन कैंसर की बीमारी के कारण महिला बंदी को इलाज के लिये जेल से एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। करीब एक सप्ताह तक चले इलाज के बाद महिला बंदी की मृत्यु हो गई। मामले में आयोग ने अधीक्षक, केंद्रीय जेल को जांच के निर्देश दिए हैं।

मेडिकल शिक्षा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल की नींव है : डॉ. सिंह

एम्स में मेडिकल शिक्षा के मूल सिद्धांतों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर प्रशिक्षण शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एम्स में सेंटर फॉर मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजी द्वारा सीनियर रेजिडेंट्स के लिए मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजीज पर एक विशेष 2-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सीनियर रेजिडेंट्स को मेडिकल शिक्षा के मूल सिद्धांतों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे वे स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण में अधिक प्रभावी योगदान दे सकें। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने इस पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, मेडिकल शिक्षा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल की नींव है। एसआर-एमईटी जैसे कार्यक्रम सीनियर रेजिडेंट्स को आवश्यक शिक्षण कौशल से सुसज्जित करते हैं, जिससे चिकित्सा प्रशिक्षण की समग्र गुणवत्ता में सुधार होता है। हमारा लक्ष्य शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए एक प्रभावी और सहयोगी शिक्षण वातावरण बनाना है। उन्होंने अपने अनुभव को भी साझा करते हुए कहा कि सीनियर रेजिडेंट्स, संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों के परामर्श और व्यावहारिक प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) बालकृष्णन एस., डीन - स्टूडेंट वेलफेयर, प्रो. (डॉ.) अश्विनी टंडन, कार्यवाहक डीन (एकेडमिक्स), प्रो. (डॉ.) वैशाली वैंडेसकर (सीएमईटी की अध्यक्ष), सीएमईटी के संकाय सदस्य और अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में कुल 57 सीनियर रेजिडेंट्स प्रतिभागी के रूप में भाग ले रहे हैं।

हाइराइज करने के प्रावधान पर मुहर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मास्टर प्लान ड्राट 2047 का मंगलवार को टीएंडसीपी अफसरों ने मंत्रालय पहुंचकर प्रजेंटेशन दिया। संभवत-इसी शुक्रवार को ड्राट अधिसूचित कर सुझाव आपत्ति की प्रक्रिया की जा सकती है। भोपाल के ड्राट में केंद्र स्तर से भी रुचि ली जा रही है। यहीं से हाइराइज सिटी के तौर पर शहर को विकसित करने के प्रावधान की बात कही। 18 से 24 मीटर चौड़ी सड़क पर मौजूदा से दो से तीन गुना तक ज्यादा एफएआर मिल सकता है। विधानसभा में विभागीय मंत्री ने एक सवाल के जवाब में मास्टर प्लान ड्राट को 31 मार्च से पहले जारी करने की बात कही थी। मास्टर प्लान में भोपाल के एफएआर में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। अरेरा कॉलोनी से लेकर कोलार, पुराने शहर में मुय सडक़ किनारे ऊंची इमारतों के लिए रास्ते खुलेंगे।

पीएफ राष्ट्रीय संयुक्त मोर्चा का जोरदार प्रदर्शन, 31 तक समाधान न होने पर दिल्ली में आंदोलन की चेतावनी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पीएफ राष्ट्रीय संयुक्त मोर्चा द्वारा अपनी लंबित मांगों को लेकर पिछले पांच वर्षों से लगातार प्रदर्शन किया जा रहा है। आज, संगठन के नेता राम धरकर के नेतृत्व में पीएफ कार्यालय के बाहर एक बड़ा प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा और केंद्र सरकार से जल्द से जल्द उनकी पेंशन संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग की। देशभर के पीएफ भोगी इस मुद्दे को लेकर लगातार आवाज उठा रहे हैं। आज के प्रदर्शन में भोपाल सहित आसपास के जिलों के हजारों लोगों ने भाग लिया और अपनी न्यायसंगत पेंशन की मांग दोहराई। प्रदर्शनकारियों ने सरकार को 31 मार्च तक का समय दिया है और चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे दिल्ली में बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। मोर्चा के नेताओं ने कहा हम वर्षों से अपनी पेंशन के अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार हमारी मांगों को अनदेखा कर रही है। यदि हमारी पेंशन संबंधी समस्याओं का जल्द

समाधान नहीं हुआ, तो 31 मार्च के बाद हम दिल्ली कूच करेंगे व राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़ेंगे। आज हुए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मचारी, पेंशनभोगी व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से अपील की कि वे पीएफ पेंशनभोगियों की समस्याओं को गंभीरता से लें और जल्द से जल्द ठोस कदम उठाएं।

मेट्रो एंकर

प्राकृतिक चिकित्सा पांच दिवसीय आवासीय शिविर शुरू

खुद के डॉक्टर खुद बनने के सूत्र जानेंगे साधक-साधिकाएं

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर के आरोग्य केन्द्र में हर माह निरोग काया के टिप्स देने और शारीरिक दिक्कतों से राहत के लिए आवासीय शिविर आयोजित किए जाते हैं।

मंगलवार से 'रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर श्रृंखला' का पांच दिवसीय शिविर शुरू हुआ, जिसमें देश के कई हिस्सों से साधकगण अपक्राहार एवं प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योग, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा, पोटली मसाज आदि से भी लाभान्वित होने की उम्मीद से आए हैं। शिविर के पहले दिन शिविरार्थियों का सर्वप्रथम पंजीयन एवं परामर्श प्राकृतिक चिकित्सकों द्वारा किया गया एवं इसके पश्चात् शिविर का शुभारंभ व्याख्यान मेडीकल डायरेक्टर डॉ गुलाब राय टेवानी के व्याख्यान से हुआ।

टेवानी ने कहा शिविर का उद्देश्य है प्राकृतिक चिकित्सा से संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करना सम्भव। शिविर के माध्यम सेअपने शरीर का शुद्धिकरण कैसे करें वो सीखते है। शरीर का शुद्धिकरण होना बहुत ही आवश्यक हैं इसलिए इस शिविर का नाम ही 'रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर' रखा गया है। इस शिविर में आप दिनचर्या व उपवास की कला सीखेंगें जिससे आप सुखमय व स्वास्थ्यमय जीवन पा सकें। साथ ही यहा आपका पंच तत्वों से उपचार किया जाएगा जैसे पृथ्वी जल अगिन वायु आकाश।

यह गतिविधियां होंगी : नित्यकर्म, नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ, प्रातः कालीन व सायंकालीन व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान, ध्यानात्मक क्रियाएँ एवं आनंद मेला। बीमारियो को दूर करने में एनिमा, उपवास, अपक्राहार, नींद, शुभ चिंतन व ग्रीन जूस को अपनाकर सदैव स्वस्थ रहने की कला समस्त साधको को बताइ जाएगी। बात दें शिविर के दौरान शिविर में प्राकृतिक चिकित्सको एवं व्याख्यान कर्ताओं के व्याख्यान एवं शंका समाधान सत्र आयोजित किए जाएंगे।

संतनगर के पत्रकारों ने पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया

हिरदाराम नगर. राजधानी के पत्रकार कुलदीप सिंगरोलिया के खिफाफ फर्जी मामला दर्ज करने के विरोध में संतनगर में भी पत्रकारों ने विरोध प्रदर्शन किया। सरकार से पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग की। चंचल चौराहे पर इकट्ठा होकर पुलिस के रवैये पर नाराजगी जताई गई। प्रदर्शन संतनगर के प्रेस क्लब और संत हिरदाराम पत्रकार संघ ने किया। प्रदर्शन में सतीश बतरा, हीरो लालवानी, सुरेश जसवानी, संदीप पाठक, रवि नाथानी, नरेश कीर्तानी, अंकित श्रीवास्तव, मनोज वर्मा, हरीश तीर्थानी, विकास गिदवानी, अजय चौकसे, कमलेश बरलानी हरीश मेघानी शामिल हुए। पत्रकारों ने कहा, इस तरह की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिन पर सरकार को अंकुश लगाने के लिए पत्रकार सुरक्षा कानून बनाना चाहिए। साथ ही कुलदीप की लड़ाई में साथ रहने का संकल्प लिया।

भोपाल की शीतल के नाम 175 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह को बाल चित्रकार ने भेंट किया उनका चित्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश की उभरती हुई बाल चित्रकार सुश्री शीतल गुप्ता ने स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह को उनका चित्र सोमवार को उनके भोपाल स्थित निवास पर पहुंचकर भेंट किया। स्कूल शिक्षा मंत्री ने शीतल की अद्भुत कला प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कला न केवल प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है। महज 6 वर्ष की उम्र से चित्रकला में रुचि रखने वाली भोपाल की शीतल अब तक 175 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकी हैं। उनकी कलाकृतियां जीवंतता के लिए जानी जाती हैं। इससे पहले उन्होंने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, पूर्व मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्यपाल मंगुभाई पटेल, प्रदेश की पूर्व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित कई गणमान्य व्यक्तियों को उनके चित्र भेंट किए हैं। उनकी इस उपलब्धि को हर स्तर पर सराहा गया है।

अकादमिक रूप से भी टॉपर

कला के साथ-साथ शीतल अपनी पढ़ाई में भी हमेशा अव्वल रही हैं। वे अब तक हर कक्षा में टॉपर रही हैं, जिससे उनकी मेहनत और लगन का अंदाजा लगाया जा सकता है। शीतल न केवल एक प्रतिभाशाली चित्रकार हैं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से मिसाल कायम कर रही हैं। इस अवसर पर शीतल के पिता श्री नितिन कुमार गुप्ता भी उनके साथ थे। शीतल गुप्ता की यह उपलब्धि अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

नागरिक आपूर्ति निगम में युवाओं को नौकरी, कर्मियों को बोनस भी

भोपाल। नागरिक आपूर्ति निगम में खाली पदों पर भर्ती की होगी, युवाओं को नौकरी मिलेगी। वर्ष 2024-25 की खरीदी में सेवाएं देने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में एक माह का वेतन दिया जाएगा। वर्ष 2017-18 और वर्ष 2018-19 की लंबित प्रोत्साहन राशि के संबंध में भी चर्चा हुई। वरिष्ठ सहायकों के वेतन में 10 प्रतिशत की वृद्धि का निर्णय लिया।

निगम के ढ़ांचे में बदलाव किया जाएगा। खाद्य नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने मंगलवार बुलाई बैठक में बदलाव पर काम करने के निर्देश दिए। अधिकारियों से खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण करने, कामों में सुधार लाने, केंद्रों पर सभी जरुरी सुविधाओं की पूर्ति करने को भी कहा। निगम में आउटसोर्स पर भर्ती होगी, कार्पोरेशन के लंबित लेखा संबंधी काम पूरे कराने के लिए संविदा में लेखापालों की नियुक्ति होगी।

अब *जनसंपर्क* का मोबाइल ऐप, नीति और योजनाओं की जानकारी सीधे देगा

सीएम ने किया लोकार्पण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में जनसंपर्क विभाग द्वारा विकसित मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया। इस ऐप से सरकार की सभी योजना नीतियों आदि की जानकारी सीधे मोबाइल पर ही प्राप्त हो सकेगी। मोबाइल ऐप पर समाचार, फोटो गैलरी, वीडियो गैलरी, मंत्री परिषद के निर्णय, आलेख, विभिन्न विभागों की वेबसाइट के लिंक, जिलों के समाचार तथा मंत्रिमंडल के सदस्यों, कमिश्नर और कलेक्टर की सूची आसानी से प्राप्त हो सकेगी।

इसमें अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े, संचालक जनसम्पर्क अंशुल गुप्ता तथा सोशल मीडिया विशेषज्ञ उपस्थित थे। आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. खाड़े ने अवगत कराया कि जनसम्पर्क विभाग के पोर्टल mpinfo.org का Android Based मोबाइल ऐप तैयार किया गया है। मोबाइल ऐप में मुख्यमंत्री के लाइव कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण देखा जा सकेगा। मुख्यमंत्री एवं मंत्रीगण के समाचार सिंगल क्लिक पर ऐप में उपलब्ध होंगे। ऐप पर स्क्रीन रीडर की भी सुविधा दी है, जिससे यूजर आसानी से समाचार सुन सकेंगे।

उन्होंने बताया कि ऐप में वॉइस सर्च की सुविधा दी गई हे, जिससे यूजर आसानी से आवश्यकता अनुसार कंटेंट सर्च कर सकते हैं। ऐप पर व्हाट्सऐप एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर करने की लिंक भी दी गई है, इससे सुगमता से कंटेट को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर किया जा सकेगा। मोबाइल ऐप पर पुश नोटिफिकेशन की सुविधा भी है, इससे समाचार को सभी यूजर्स तक पुश किया जा सकता है।

हिंदू परिवारों का पलायन और लव जिहाद भी बड़ी समस्या

सरकारी स्कूलों में घटी बच्चों की संख्या संघ की बढ़ी चिंता

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश भर के सरकारी स्कूलों में बच्चों की घटती संख्या आरएसएस के लिए बड़ी चिंता है। इसके कई कारण है, जिन पर काम किया जा रहा है। संघ का यह कहना, ही इस बात का प्रतीक है कि वह सरकार को बातों–बातों में संदेश देकर सरकारी स्कूली व्यवस्था में सुधार चाहता है। अब सरकार व अफसरों को नए सिरे से इस बात को समझना होगा कि आखिर तमाम प्रयासों के बावजूद बच्चे क्यों घट रहे।

हिंदू परिवारों का पलायन भी कई क्षेत्रों में एक बड़ी समस्या बन गया है। भोपाल के ही कई क्षेत्रों में हिंदू परिवार एक से दूसरे स्थानों पर शिफ्ट हो रहे है। जिसके कारण हिंदू आबादी में असंतुलन पैदा हो रहा है। लव जिहाद खत्म होने की बजाए पहले से बढ़ गया है। आरएसएस के मध्यभारत प्रांत क्षेत्र में 103 समस्याएं सामने आई है, जिनका बैंगलुरु में हुई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में जिक्र हुआ। संघ, अब इन्हें जड़ से खत्म करने के लिए नए सिरे से काम करेगा।

संघ इस तरह से करेगा समाधान

- विजयादशमी-2025 उत्सव के तहत ज्यादा स्थानों पर गणवेश में कार्यक्रम। मण्डल, खंड, नगर स्तर पर संचलन भी निकाला जाएगा।
- व्यापक गृह संपर्क के तहत प्रत्येक गांव व बस्ती के प्रत्येक घर तक पहुंचेंगे।
- हिन्दू सम्मेलन के तहत सभी मंडलों और बस्तियों में हिन्दू सम्मेलन किए जाएंगे।
- सद्भाव बैठक के तहत खंड/नगर स्तर पर सामाजिक सद्भाव की चर्चा होगी।
- नागरिक गोष्ठी के तहत हिंदुत्व, पंच परिवर्तन, राष्ट्रीयता, एक राष्ट्र एक जन एक संस्कृति, इस प्रकार के विषयों पर नागरिक संवाद होंगे।
- युवाओं से संवाद के तहत कार्यक्रम किए जाएंगे। 15 से 30 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए राष्ट्र निर्माण, सेवा गतिविधियों और पंच परिवर्तन पर केंद्रित कार्यक्रम होंगे।

संघ ने कराया है अध्ययन, जिसमें सामने आई हकीकत

संघ ने मध्य भारत प्रांत में एक अध्ययन कराया था, जिसमें इन समस्याओ की पहचान हुई। मध्य भारत प्रांत के प्रांत संघचालक अशोक पाण्डेय ने मंगलवार विश्व संवाद केंद्र में मीडिया से बात की। जिसमें बताया कि विदिशा विभाग की 56 व्यवसायी शाखाओं ने शाखा क्षेत्र का सामाजिक अध्ययन किया, जिसमें पता चला कि नशा मुक्ति की जरुरत है, सरकारी विद्यालय में बच्चों की कम मौजूदगी है, गो-संरक्षण व नर्मदा का संरक्षण आवश्यक हो गया है, सिंगल यूज प्लास्टिक पर पर काम करना होगा।

जबकि फलदार वृक्षों की कमी, लव जिहाद, धार्मिक जागृति का अभाव, संस्कारवान शिक्षा व साफ-सफाई की की कमी, मोबाइल गेमिंग, हिंदू परिवारों का पलायन जैसी समस्या है। इनमें से कुछ समस्या अन्य विभागों में भी देखी जा रही है। राजगढ़ में सामाजिक समरसता, भोपाल में सेवा कार्य एवं हिन्दू पलायन, ग्वालियर में सिंगल यूज प्लास्टिक एवं नशा मुक्ति, नर्मदापुरम में पर्यावरण संरक्षण इत्यादि विषयों पर विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

मध्यभारत प्रांत के प्रांत संघ चालक अशोक पांडेय ने इन समस्याओं को खत्म करने को लेकर संघ के प्रकल्पों की जानकारी दी। कहा कि इस वर्ष संघ अपना शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है।

प्रयास है कि हर घर तक संघ पहुंचे। इसके लिए 2 अक्टूबर से व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। 2026 तक एक साल यह अभियान चलेगा। वर्तमान परिदृश्य में सामाजिक ताना बाना बिगड़ रहा है। युवा पीढ़ी संस्कारों से भटक रही है, परिवार टूट रहे हैं, माता पिता और बच्चों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है।

बच्चे मोबाइल में क्या देख रहे हैं इस ओर माता पिता का ध्यान होना चाहिए। यदि इसी तरह की हालत रही तो आने वाले समय में वृद्धा श्रमों की संख्या में और बढ़ोतरी होगी। वर्तमान समय में बच्चों को सही दिशा देना जरूरी है। संघ इसके लिए लगातार कार्य कर रहा है। कुटुंब प्रबोधन जैसे कार्यक्रमों के जरिए संयुक्त परिवारों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मंडी बोर्ड पेंशनरों को नियमित पेंशन, निधि का होगा उपयोग

मप्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड मंडल की बैठक में निर्णय

भोपाल। मंडियों में सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त कर्मचारियों अब नियमित रूप से पेंशन मिलेगी। इसके लिए मंडी निधि का उपयोग किया जाएगा। अभी कई बार नियमित पेंशन नहीं मिलती, उन्हें परेशान होना पड़ता है। जिसे देखते हुए मप्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड के संचालक मंडल की 143वीं बैठक में यह निर्णय लिया।

बोर्ड की बैठक में मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं में नियुक्त अमले तथा मंडी बोर्ड मुख्यालय के संविदा वाहन चालकों की नियमित पदों में समकक्षता का निर्धारण कर पारिश्रमिक में वृद्धि किए जाने की स्वीकृति भी दी गई। सभी महिला कर्मचारियों को सात दिवस के आकस्मिक अवकाश पर भी सहमति बनी। कृषि उपज मंडी समिति जैसीनगर जिला सागर के प्रांगण में बोर्ड निधि से कृषक संगोष्ठी भवन की स्वीकृति का अनुसमर्थन किया। मप्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड के पुनरीक्षित अनुमान वर्ष 2024 -25 एवं बजट अनुमान 2025-26 पर भी विचार विमर्श किया।

पीएससी की प्रारंभिक परीक्षा परिणाम पर हाईकोर्ट की रोक

भोपाल। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की युगलपीठ (जिसमें मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति विवेक जैन शामिल हैं) ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) की राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 के परिणाम पर रोक लगा दी है।कोर्ट ने पीएससी को निर्देश दिया है कि बिना हाई कोर्ट की अनुमति के परिणाम घोषित न किए जाएं। इस मामले में पीएससी सचिव और सामान्य प्रशासन विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। अगली सुनवाई सात मई को होगी। यह फैसला भोपाल की ममता डेहरिया की याचिका पर आया, जिसमें परीक्षा नियमों की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है। कोर्ट ने पीएससी को निर्देश दिया है कि बिना हाई कोर्ट की अनुमति के परिणाम घोषित न किए जाएं। यह फैसला भोपाल की ममता डेहरिया की याचिका पर आया, जिसमें परीक्षा नियमों की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है। इसमें कहा गयाकोर्ट में दलील दी गई कि राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा नियम-2015 के कुछ प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16 और 335 के साथ-साथ लोक सेवा आरक्षण अधिनियम 1994 की धारा 4-ए के खिलाफ हैं।

सृजन पोर्टल का उच्च शिक्षा मंत्री ने किया शुभारंभ

अनुसंधान की दृष्टि से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत होगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित सृजन कार्यक्रम के पोर्टल का शुभारंभ किया।

मंत्री परमार ने सृजन कार्यक्रम की नोडल एजेंसी राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को सृजन कार्यक्रम के सफल संचालन एवं इनोवेट एमपी की दृष्टि से सृजन पोर्टल को तैयार करने के लिए शुभकामनाएं दीं। मंत्री परमार ने कहा कि सृजन कार्यक्रम के माध्यम से, नवाचारी शोध एवं अनुसंधान की दृष्टि से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत होगी। उच्च शिक्षण एवं तकनीकी शिक्षण संस्थानों के ऐसे विद्यार्थी जो नवाचार का दृष्टिकोण रखते हैं, उन्हें नवाचारों के सृजन के लिए यह मंच तैयार किया गया है।

यह मंच पंजीयन करने वाले विद्यार्थियों को नवाचार साझा करने, उसमें आगे बढ़ने एवं उनके नवाचारों के दस्तावेजीकरण के लिए सहायता प्रदान करेगा। विद्यार्थियों को शोध एवं अनुसंधान के साथ नवाचार के दस्तावेजीकरण के लिए भी विश्वविद्यालय सहयोग प्रदान करेगा।

विद्यार्थियों के करियर की राहें और उनका भविष्य संवरेगा

मंत्री परमार ने अपील करते हुए कहा कि नवाचार करने वाले अधिकाधिक विद्यार्थी, इस मंच के माध्यम से जुड़ें और अपने प्रोजेक्ट्स को अपलोड करें। इससे विद्यार्थियों के करियर की राहें और उनका भविष्य संवरेगा। परमार ने कहा कि सृजन कार्यक्रम, शिक्षा के क्षेत्र में भविष्य में मील का पत्थर सिद्ध होगा और प्रदेश में इसके माध्यम से अभूतपूर्व नवाचार होंगे।

संपादकीय

रेल सेवाओं का यह हाल

भारतीय रेलसेवा हमेशा से यात्रियों की असुविधा वाली छवि से आजाद नहीं हो सकी है। जबकि इसकी बेहतरी के दावों में बढोतरी होती रहती है। रेलगाि?यों की लेटलतीफी से लेकर इसमें परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और शुद्धता को लेकर लंबे समय से शिकायतें मिलती रही हैं। खानपान की शिकायत दूर करने आइआरसीटीसी का गठन किया गया। इसके लिए क्षेत्रीय स्तर पर रसोई बनाई गई, वहां तैयार होने वाले खानपान के निरीक्षण का तंत्र विकसित किया गया। इससे बाहरी खानपान की गुणवत्ता और कीमतों में मनमानी पर कुछ हद तक रोक तो लगी, स्वच्छता और साफ-सफाई पर भी ध्यान दिया जाने लगा, मगर फिर वही शिकायतें मिलनी शुरू हो गई। संसद की एक समिति ने इसे लेकर रेलवे की खिंचाई की है। समिति का कहना है कि खानपान संबंधी नीतियों में बार-बार बदलाव की वजह से यह ग?ब?ी हो रही है। समिति ने इस पर भी नाराजगी जाहिर की कि उसके पहले के सुझावों पर अमल क्यों नहीं किया गया। समिति ने रेलवे से जवाब मांगा है कि जिन पंद्रह खानपान इकाइयों को अपडेट करने को कहा गया था, वह क्यों नहीं हुआ। आइआरसीटीसी को छह हरित रसोई भी बनानी थी, मगर उस दिशा में काम नहीं हो सका दरअसल, 2005 के बाद से अब तक तीन बार रेलवे खानपान संबंधी नीतियों में बदलाव किया जा चुका है। 2010 में यह काम क्षेत्रीय रेलवे को सौंप दिया गया था, फिर 2017 में इसे आइआरटीसी को दे दिया गया। इस तरह नीतिगत ग?बि?यों के चलते भी रेल खानपान सेवा को लेकर एक प्रकार की अनिश्चितता बनी रही और गुणवत्ता से समझौता होता रहा। 2017 में नई खानपान नीति बनी और उसकी समीक्षा के लिए संसदीय समिति गठित की गई, तब उसने कुछ महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए थे। मगर समिति की ताजा रपट से जाहिर है कि पिछले सात वर्षों में इस दिशा में कोई उल्लेखनीय कदम नहीं उठाए जा सके हैं। दरअसल, अभी तक रेलों में परोसा जाने वाला भोजन बाहर की रसोई में तैयार होकर पहुंचाया जाता है, फिर गाि?यों में उसे गरम करने की व्यवस्था होती है। मगर देखा गया कि वैसे रेल डिब्बे बने ही नहीं हैं। जाहिर है, इस तरह तैयार होने और परोसे जाने के बीच समय अधिक गुजर जाने से अक्सर भोजन खराब हो जाता है। संसदीय समिति ने इस बात पर भी हैरानी जताई है कि भोजन की गुणवत्ता के निरीक्षण के लिए तो तंत्र गठित है, पर औचक निरीक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। इससे रसोइयों में भोजन तैयार करने और रेल डिब्बों में परोसे जाने में अक्सर मनमानी की शिकायतें आती रहती हैं। सरकार रेल सेवाओं को विश्व मानकों के अनुरूप ढालने और द्रुतगामी रेलों की संख्या बढ़ाने के दावे तो बढ़-चढ़ कर करती है, रेल किराए में भी काफी बढ़ोतरी हो चुकी है, मगर जब खानपान की गुणवत्ता और स्वच्छता पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा पाता, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि दूसरी सुविधाओं पर कितना ध्यान दिया जाता होगा। फिर रेल दुर्घटनाओं को लेकर भी सवाल उठते हैं, गाड़ियों के समय पर न चलने, रेल डिब्बों में सुरक्षा का उचित प्रबंध न होने जैसी शिकायतें आम हैं। इस स्थिति में सरकार को सोचना चाहिये कि सिर्फ कुछ द्रुतगामी गाड़ियां चलाने या स्टेशनों की देखरेख निजी कंपनियों के हाथों में सौंप देने भर से रेलवे की सूरत कितनी बदल पायेगी और साख कितनी बढ पा रही है यानि समग्र पहल की दरकार अभी भी है।

फूलों की सुगंध हवा की दिशा में ही फैलती है। लेकिन इंसान की अच्छाई हर दिशा में फैलती है।

-चाणक्य

आज का इतिहास

■ 1668- इंग्लैंड के शासक चार्ल्स द्वितीय ने बॉम्बे (अब मुम्बई) को ईस्ट इंडिया कंपनी के हवाले किया था।
■ 1708- अंग्रेजी सिंहासन से जेम्स तृतीय के दावेदार दुनकिर्क को हटाया गया।
■ 1709- हर्दिंग्वेल्द का तटबंध टूटा।
■ 1782- चार्ल्स वाटसन-वेंटवर्थ, रॉकिंगहम के द्वितीय मारक्वेस ग्रेट ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने।
■ 1841- पहले स्टीम फायर इंजन का सफल परीक्षण न्यूयॉर्क में किया गया।
■ 1845- जर्मनी के एक अन्य भौतिकशास्त्री तथा गणितज्ञ वेलहेलम रोंगटन का जन्म हुआ। उन्होंने सन 1895 ईसवी में विशेष किरण एक्सरे का पता लगाया।
■ 1871- पहला अंतरराष्ट्रीय रग्बी मैच स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के बीच खोला गया, जिसमें स्कॉटलैंड ने जीत हासिल की थी।
■ 1898- भारत के मुसलमानों के लिए आधुनिक शिक्षा की शुरूआत करने वाले सर सैयद अहमद खान की पुण्यतिथि। इन्होंने मुहम्मदन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज की स्थापना की जो बाद में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी बना।
■ 1899- इंग्लैंड और फ्रांस के बीच पहला अंतरराष्ट्रीय रेडियो प्रसारण इतालवी आविष्कारक जी मारकोनी द्वारा किया गया।
■ 1944- लिथुआनिया में दो हजार यहूदियों की हत्या कर दी गई।
■ 1961- पहला विश्व रंगमंच दिवस मनाने की शुरुआत हुई।
■ 1964- अलास्का में 8.4 की तीव्रता वाले भूकंप से 118 लोगों की मौत हुई।
■ 1977- टेनेरीफ में दो जंबो विमान हवाई पट्टी पर टकराने से दुनिया की सबसे भयानक विमान दुर्घटना हुई थी, जिसमें 583 लोग मारे गए थे।
■ 1982- एएफएमए चौधरी बंगलादेश के राष्ट्रपति नियुक्त किए गए।
■ 1989- अंतरिक्ष में अमेरिका के मिसाइल रोधी उपग्रह का परीक्षण विफल हुआ।
■ 1994- टीवी टाइकून सिल्वियो बर्लुस्कोनी के दाएं विंग गठबंधन ने इटली आम चुनाव जीता।
■ 2002- फसह नरसंहार: एक आत्मघाती बम हमलावर ने तान्या इसराइल में 29 लोगों को मारा।

निशाना

मैदान दिया उतार !

-कृष्णेन्द्र राय

है सियासी मायने ।
मैदान दिया उतार ।।
चढ़ा राजनीतक पारा ।
और कई कतार ।।
लाभ लेने खातिर ।
जोर है लगाया ।।
कर देना वो चुकता ।
जो है अभी बकाया ।।
गुणा गणित करके ।
कर लिया तैयार ।।
टिक जाएंगे लंबा ?
या होंगे फरार ।।
उठापटक तो चल रही ।
मौके की तलाश ।।
होड़ न होगी खत्म ।
बने रहना खास ।।

बढ़ते तापमान से कई चिंताएं, वेतन कटौती व स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ने के जैसा खामियाजा भी

■ पत्रलेखा चटर्जी

भारत का बड़ा हिस्सा एक बार फिर भीषण गर्मी से जूझ रहा है। बीती?25 फरवरी को गोवा और महाराष्ट्र में देश में इस साल की पहली हीटवेव दर्ज की गई, जो कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा परिभाषित सर्दियों (जनवरी-फरवरी) के दौरान पहली बार हीटवेव का संकेत है। आईएमडी के अनुसार, 1901 में तापमान का रिकॉर्ड रखने की शुरुआत हुई थी। उसके बाद से फरवरी 2025 को सबसे गर्म फरवरी के रूप में दर्ज किया गया। और यह सिर्फ दिन के तापमान की बात नहीं है, रात के तापमान में भी वृद्धि हो रही है। मार्च की शुरुआत से ही कई जगहों पर भीषण गर्मी पड़ रही है।हम नहीं जानते कि अप्रैल कितना भीषण गर्म होगा, लेकिन अब एक महत्वपूर्ण प्रश्न पर ध्यान देने का समय है कि गर्म होती दुनिया के लिए भारत कितना तैयार है? दुनिया गर्म हो रही है। जलवायु परिवर्तन से हालात और भी बदतर हो रहे हैं। भारत आर्थिक दृष्टि से बेहद असमानताओं वाला देश है। कुछ लोग दूसरों की तुलना में अधिक असुरक्षित हैं, क्योंकि वे जहां रहते हैं, जिस तरह से काम करते हैं और उनकी समग्र स्वास्थ्य स्थिति अलग-अलग है। दिन और रात, दोनों समय उच्च तापमान के संपर्क में लंबे समय तक रहने से न केवल गर्मी का तनाव बढ़ सकता है, मृत्यु दर बढ़ सकती है और कृषि उत्पादकता कम हो सकती है, बल्कि यह व्यापक अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करता है और संभावित रूप से लाखों नौकरियों को नष्ट कर सकता है।गर्मी के मामले में भारत की कामकाजी आबादी विशेष रूप से असुरक्षित है। जरा किसानों, निर्माण मजदूरों और रेहड़ी-पटरी वालों, खाद्य वितरण करने वाले मजदूरों और अन्य लोगों के बारे में सोचिए, जो लंबे समय तक चिलचिलाती धूप में काम करते रहते हैं और जो एयर कंडीशनर का खर्च नहीं उठा सकते। गर्मी से एक बड़े वर्ग के प्रभावित होने के बावजूद, देश में अत्यधिक गर्मी कोई राजनीतिक/चुनावी मुद्दा नहीं है। दिल्ली स्थित सस्टेनेबल फ्यूचर्स कोलैबोरेटिव (एसएफसी) की नई रिपोर्ट में नौ शहरों में दीर्घकालिक ताप जोखिम न्यूनीकरण उपायों के कार्यान्वयन का आकलन करके +1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि के तहत अनुमानित चरम गर्मी के मद्देनजर भारत की तैयारियों का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन में बंगलूरू, फरीदाबाद, ग्वालियर, कोटा, लुधियाना, मेरठ, मुंबई, नई दिल्ली और सूरत को शामिल किया गया, जो संस्थागत और आर्थिक संदर्भों की विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं और वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक, भारत की शहरी आबादी के 11 प्रतिशत से अधिक लोग इन शहरों में रहते हैं। अध्ययन के दौरान स्वास्थ्य आपदा प्रबंधन, श्रम, योजना एवं बागवानी सहित विभिन्न विभागों के 88 सरकारी अधिकारियों से साक्षात्कार लिया गया।रिपोर्ट के लेखकों ने महत्वपूर्ण जानकारी दी है, जिस पर नीति निर्माताओं को ध्यान देना चाहिए। यह भारत के कई शहरों में अत्यधिक गर्मी से निपटने की नीतियों के क्रियान्वयन का पहला आकलन है। अहमदाबाद नगर निगम ने भारत की पहली हीट एक्शन प्लान (एचएपी) 2013 में बनाई थी, जब 2010 में शहर में घातक लू से 1,300 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। तब से, कई भारतीय शहरों में एचएपी लागू हो चुका है, जिससे कई लोगों की जान बची है। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक की कार्रवाई अल्पकालिक प्रतिक्रिया उपायों की ओर झुकी हुई है, जिनका उद्देश्य गर्मी से संबंधित मृत्यु दर और बीमारी को रोकने के लिए हीटवेव से ठीक पहले और उसके दौरान कार्रवाई करना है, न कि कोई दीर्घकालिक उपाय। रिपोर्ट में शामिल नौ शहरों में से कम से कम सात ने हीट रिस्पॉन्सिव उपायों का इस्तेमाल किया, जैसे जागरूकता अभियान, पानी और ओआरएस के जरिये हाइड्रेशन स्तर में वृद्धि, लू से पीड़ित रोगियों के उपचार के लिए अस्पताल के वार्डों का पुनः उपयोग, कुछ छाया, पानी और शीतलता के उपायों के साथ अस्थायी शीतलन केंद्र बनाना, और श्रमिकों के लिए कार्य समय में बदलाव करना। ये जरूरी और स्वागत योग्य कदम थे, जिसने कई मौतों को रोका और लोगों को राहत पहुंचाई। लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं।

जिस चीज की कमी है, वह है दीर्घकालिक उपाय, जैसे कि काम के खोए हुए घंटों के लिए बीमा, जो बहुत जरूरी है, क्योंकि गर्मी के कारण उत्पादकता कम हो जाती है; बिजली ग्रिड में सुधार, जो बढ़ती बिजली की मांग को पूरा कर सके; तथा सबसे कमजोर लोगों के लिए शीतलता की सुविधा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के सर्वाधिक गर्म शहरों में एचएपी कार्यान्वयन के लिए लक्षित क्षमता निर्माण कार्यक्रम तैयार करना चाहिए। यानी देश के दस सर्वाधिक गर्म शहरों में शहर/जिला स्तर पर विभागीय कार्यवाहियों के क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार लोगों के बीच सतत, बहुवार्षिक क्षमता-निर्माण प्रयास करना चाहिए। इससे भारत की गर्मी से निपटने की क्षमता में तेजी से सुधार हो सकता है। रिपोर्ट में जिला स्तर पर प्रशिक्षित आपदा प्रबंधन सहायक कर्मचारियों की क्षमता निर्माण करने का भी सुझाव दिया गया है। जलवायु के प्रति सबसे ज्यादा संवेदनशील जिलों में स्थायी और वित्तपोषित विशेषज्ञ पदों का सृजन किया जाना चाहिए, जिन्हें दीर्घकालिक जोखिम शमन के लिए प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। एक मुख्य सुझाव अत्यधिक लक्षित सक्रिय शीतलन कार्यक्रम का निर्माण है। तापमान में तेजी से वृद्धि और दीर्घकालिक ताप सहन करने की क्षमता में अंतर बताता है कि जोखिम में रहने वाली शहरी आबादी अपने जीवन और आय की रक्षा के लिए एसी का रुख करेगी। रिपोर्ट कहती है कि राज्य और राष्ट्रीय सरकारों को सब्सिडी या बड़े पैमाने पर खरीद कार्यक्रम शुरू करने चाहिए, जिससे ऐसे परिवार ऊर्जा कुशल एसी खरीद सकें। जीवन, आजीविका, देश की आकांक्षाएं और भविष्य दांव पर लगा है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक गर्मी के कारण भारत के काम के घंटों में 5.8 प्रतिशत तक कमी आ सकती है, जो 3.4 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर है। कम वेतन वाले असंगठित श्रमिकों को लंबे समय तक गर्मी में रहकर काम करने कारण वेतन में कमी और स्वास्थ्य व्यय में वृद्धि का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है, जिससे उनके गरीबी के जाल में फंसने की आशंका बढ़ जाती है।

(साभार)

प्रतिस्पर्धात्मक शैक्षणिक संस्कृति में छिपे तनाव पहचानें

■ अविजित पाठक

हाल ही में, आईआईटी कानपुर ने 'द आर्ट ऑफ़ लिविंग फ़ाउंडेशन' के साथ मिलकर एक 'भलाई कार्यक्रम' शुरू किया है। रिपोर्ट के अनुसार, फ़ाउंडेशन ने श्वास क्रिया, ध्यान और माईंडफुलनेस अर्थात 'संचेतना' (आसपास की घटनाओं के प्रति सजग रहते हुए इनमें बहने से बचना) सहित विशेषज्ञ सत्रों की एक शृंखला आयोजित करने पर सहमति जताई है। इसका उद्देश्य है युवा छात्रों की 'मानसिक सहनशक्ति एवं तनाव प्रबंधन क्षमताओं' को बेहतर बनाना। समझा जा सकता है कि आईआईटी के अधिकारी अपने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर इतने चिंतित क्यों हैं।

दरअसल, हाल ही में सूचना के अधिकार से मिली एक जानकारी से पता चला है कि पिछले पांच सालों में 37 विद्यार्थियों ने खुदकशी है, जिसमें 11 छात्र आईआईटी के थे। इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि आईआईटी गुवाहाटी ने भी 'नैदानिक अभ्यासों' की एक शृंखला चलाने की घोषणा की है ङ्क मसलन,परामर्श सत्र, संकाय सदस्यों के साथ सुबह की सैर और 'तनाव से मुक्ति' कार्यशालाएं।हालांकि,भारत में समकालीन शैक्षिक परिदृश्य के एक पर्यवेक्षक के रूप में, मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि अलग-अलग परामर्श सत्र, श्वास क्रिया और संचेतना अभ्यासों का ऐसा कोई समुच्चय इन युवाओं की बढ़ती दिमागी, मानसिक चिंताओं और अस्तित्वगत पीड़ा से निपटने के लिए अपर्याप्त होगा, जो पहले ही अत्यंत-प्रतिस्पर्धात्मक और सामाजिक डार्विनवाद जनित जीवन-हंता वायरस से बनी मारक 'रण भूमि' में फंसे हुए हैं। समस्या केवल किसी के 'आहत' हुए स्वः की नहीं है,समस्या समाज की पूरी संरचना है ङ्क जिसमें संसाधनों की कमी और असमानता है या फिर किसी की योग्यता केवल प्राप्त किए गए बढ़िया नंबरों से आंकने वाली विचारधारा बनकर रह गई है।

उस चूहा-दौड़ में शामिल होना,जिसे तकनीकी-पूंजीपति 'सफलता' का प्रारूप ठहराते हैं। आप अपने 'अशांत' स्वः को बाकी समाज के ताने-बाने से अलग नहीं कर सकते। तीन कारणों के बारे में सोचें कि मानसिक तनाव या अकेलापन आईआईटी के माहौल में अंतर्निहित क्यों है। वास्तव में आप महसूस करेंगे कि किसी भी आईआईटी में प्रवेश पाने की प्रक्रिया ही स्वाभाविक रूप से तनावपूर्ण है। यह किसी महान शिक्षक के साथ चलकर सीखने जैसा न होकर विज्ञान और गणित की गूढ़ता को बनावटी बौद्धिक उत्साह और जिज्ञासा के साथ तलाशने जैसा है। इतना ही नहीं, कोचिंग सेंटरों के अत्याचार से लेकर, कभी न खत्म होने वाले अभ्यास परीक्षा तक की इस यात्रा में कोई रचनात्मक उत्साह या खुशी नहीं है। 'भाग्यशाली' छात्र जब तक बाधाओं से पार पाते हैं ङ्क जेईई मुख्य परीक्षा से लेकर जेईई एडवांस उत्तीर्ण करने तक ङ्क तब तक उनमें से कई मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक तौर से दरिद्र हो चुके होते हैं।

दूसरा, यह मानना गलत है कि जब कोई आईआईटी में भर्ती पा लेता है तो उसकी जिंदगी वास्तव में भरपूर बन जाती है, और सब कुछ गुलाबी-गुलाबी हो जाता है। अतिशयी-प्रतिस्पर्धात्मक शैक्षणिक संस्कृति में छिपे तनावों का कोई अंत नहीं है। अच्छा ग्रेड पाने की लालसा, बाजार मांग के अनुरूप लगातार बदलते 'कौशल' सीखते रहने का दबाव, और अंतिम नियति को लेकर निरंतर चिंता ङ्क जैसे कि, बढ़िया जगह पर नौकरी और वेतन पैकेज। ये सब एक ऐसा सामाजिक माहौल बना देते हैं, जिसमें कोई सच्चा दोस्त नहीं, कोई रचनात्मक उत्साह नहीं होता। हर कोई एक एकाकी व अहंकारी योद्धा भर है!

और तीसरा, चूंकि हमारे समाज में आईआईटी में दाखिला पाने का कुछ ज्यादा ही महिमामंडन किया जाता है, जिसकी कीमत में, हमारे अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालयों का व्यवस्थित रूप से अवमूल्यन हो रहा है। इसलिए आईआईटी विद्यार्थी के लिए लोगों की नज़रों में चढ़ने से बचना बहुत मुश्किल बन जाता है। हम आईआईटी में पढ़ने वाले को एक मिथकीय उत्पाद के रूप में देखना शुरू कर देते हैं- एक अत्यंत-बुद्धिमान प्रौद्योगिकीविद्, वह जो सब कुछ हासिल कर ले, जिसकी 'सफलता' को हम मिथक बनाना पसंद करते हैं। एक आकर्षक नौकरी, किसी तकनीकी-कॉर्पोरेट उद्यम में एक उच्च पद, लगातार विदेश यात्राएं और निरंतर सामाजिक/आर्थिक गतिशीलता!

वास्तव में, हमारा समाज पागलों की तरह 'सफलता की कहानियों' से ग्रस्त है। इसकी वजह से अगर आप एक 'आईआईटी वाले' हैं, तो इस बात की संभावना बहुत कम है कि लोगबाग ङ्क आपके माता-पिता सहित ङ्क आपको सिर्फ़ एक इंसान के रूप में देखेंगे। आपको लगातार अपने 'अलौकिक' गुणों को साबित करते रहना पड़ेगा। ऐसा लगता है मानो आपका 'आम होना' ही आपका गुनाह है! वास्तव में, यह असंभव अपेक्षा उनमें से कईयों को अमानवीय अवगुण से भर देती है।

निस्संदेह, यदि हम इन मुद्दों पर विचार कर हल नहीं निकालते तो हम इन एकाकी व तनावग्रस्त युवा प्रतियोगियों के अंदर केवल ध्यान, श्वास क्रिया और संचेतना अभ्यास करवाकर विवेक पैदा नहीं करवा सकते। भले ही यह किसी प्रकार का अस्थायी राहत देने वाला हो ङ्क फील गुड की क्षणिक अवस्था उनके जीवन-पथ में कोई मौलिक परिवर्तन लाने की संभावना नहीं रखती। हालांकि, तात्पर्य यह नहीं है कि संचेतना अभ्यास कोई मायने नहीं रखता। निस्संदेह, अतीत की चोटों और भविष्य की चिंता से विचलित हुए बिना, वर्तमान क्षण में गहराई से और तीव्रता से जीने की क्षमता ही एक बड़ी ध्यान कला है। इसके लिए समर्पित धार्मिकता की भावना होनी चाहिए- शांति, प्रेम परिपूर्ण सहृदयता और करुणा की निरंतर खोज।

हालांकि, विडंबना यह है कि तेजी से विकास करते 'आध्यात्मिक सुपरमार्केट' वाले हमारे इस समयकाल ने ध्यान व संचेतना के लाभ का भी मजाक बनाकर रख दिया है। इसे फौरी राहत प्रदान करने वाले एक उत्पाद के रूप में बेचा जा रहा है। इसके अलावा, यह 'आध्यात्मिक उद्योग' एक अन्य महत्वपूर्ण सवाल अब तक नहीं पूछ पाया - संचेतना हो किसके वास्ते? क्या मुझे अपने कॉर्पोरेट लालच को बढ़ाने के लिए संचेतना अभ्यास करने की आवश्यकता पड़ेगी? क्या अपने विश्वविद्यालय में 'टॉपर' बनने के लिए मेरे लिए संचेतना अभ्यास करना जरूरी है? क्या मुझे अहंकार के बोझ से मुक्ति और तनावमुक्ति हेतु संचेतना अभ्यास की आवश्यकता है?

वास्तव में, 'आध्यात्मिक सुपरमार्केट' के व्यवसाय में रोजाना की तरक्की के साथ, हम अत्यधिक धनाढ?य सेलिब्रिटी बाबाओं और गुरुओं को अपने अमीर ग्राहकों को 'फौरी मोक्ष' के नाना प्रकार के पैकेज बेचते हुए देखते हैं ङ्क जैसे कि कॉर्पोरेट मालिकों से लेकर वे सभी, जो श्वास-क्रिया और संचेतना अभ्यास करने के वास्ते सात दिन का महंगे 'रिट्रीट सत्र' का खर्च उठा सकते हैं।

इसलिए, कानपुर आईआईटी और आध्यात्मिक उद्योग के बीच गठबंधन को लेकर बनी अपनी असहजता व्यक्त करने में मुझे कोई हिचकिचाहट नहीं है। यदि हम युवा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में सचमुच ईमानदार हैं, तो हमें उस समाज की संरचना पर सवाल उठाने की जरूरत है, जिसमें हम जी रहे हैं। इसके अलावा, हमें शिक्षा को पुनः परिभाषित करने, इसकी आत्मा को विशुद्ध रूप से योग्यतावादी व तकनीकी विचारधारा से बचाने और अपने छात्रों को जीवन की एक नई दृष्टि देने की जरूरत है ङ्क विशुद्ध 'कैरियरवादिता', अति-प्रतिस्पर्धात्मक और भौतिक सफलता से परे।

साभार: (लेखक समाजशास्त्री हैं।)

मां कर्मा देवी जयंती पर निकाली भव्य वाहन रैली

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

साहू समाज द्वारा मां कर्मा देवी जयंती बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाई गई। इस पावन अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के लोगों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। इस दौरान सुबह सिद्धेश्वर महादेव मंदिर से मां कर्मा देवी मंदिर तक एक भव्य वाहन रैली निकाली गई। यह रैली नगर के मुख्य मार्गों से निकाली गई। जिसमें समाज के युवाओं ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत मां कर्मा देवी मंदिर में देवी की विशेष पूजा अर्चना की गई। इसके बाद सभी ने मिलकर मां कर्मा देवी की आरती की। कार्यक्रम में समाज के मेधावी और प्रतिभावान छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथियों ने अपने विचारों से समाज के लोगों को मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक हरिसिंह रघुवंशी, समाज के प्रदेशाध्यक्ष भगवानदास साहू, पूर्व विधायक लीना संजय जैन, जनपद अध्यक्ष नीतू देवेंद्र रघुवंशी, नपाध्यक्ष शशि अनिल यादव, नपा उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर, वार्ड पार्षद नीलू चंद्रशेखर चौबे के अलावा वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद सुनील साहू भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कार्यक्रम के दौरान अपने विचार रखते हुए कहा कि यह जयंती समारोह समाज के लोगों को एक साथ लाने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को मनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर था। इस तरह के आयोजन समाज में एकता और सद्भावना को बढ़ावा देते हैं। इस दौरान नपाध्यक्ष ने मां कर्मा देवी चौराहे के सौंदर्यीकरण का कार्य करने की घोषणा की। इस मौके पर अतिथियों के अलावा समाज जनों ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।

कमिश्नर ने समय सीमा की बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

सभी आंगनबाड़ी केंद्र एवं स्कूल समय पर नियमित रूप से खुलें

- उपार्जन केन्द्रों में प्रतिदिन हो रही गेहूं उपार्जन एवं भुगतान की जानकारी दी जाए
- 31 मार्च से पूर्व सभी कार्यालय ई-ऑफिस सिस्टम से ही कार्य करें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभागीय समय सीमा की बैठक में निर्देश दिए कि जिले की सभी आंगनबाड़ी केन्द्र एवं स्कूल अवकाश के दिनों को छोड़कर समय पर नियमित रूप से खुले। सभी शिक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं स्कूलों में समय पर उपस्थित रहे। कमिश्नर श्री तिवारी ने जिला आपूर्ति नियंत्रक अधिकारी को निर्देश दिए कि वह गेहूं उपार्जन केन्द्रों में प्रतिदिन की जा रही गेहूं खरीदी एवं किसानों को हो रहे भुगतान की जानकारी प्रतिदिन नियमित रूप से देना सुनिश्चित करें। कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की सभी उपार्जन केन्द्रों में किसानों के लिए मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल, छाया एवं बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह 31 मार्च से पूर्व अपने कार्यालय में ई ऑफिस सिस्टम प्रणाली को शुरू करवा दें एवं ई ऑफिस सिस्टम से ही कार्य करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने स्पष्ट हिदायत दी की किसी भी स्थिति में हार्ड कॉपी नहीं ली जाएगी। अतः कोई भी अधिकारी हार्ड कॉपी ना भेजें।

कमिश्नर श्री तिवारी ने मुख्यमंत्री मछुवारा समृद्धि योजना के तहत अब तक किए जा रहे कार्यों के प्रति असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री मछुवारा समृद्धि योजना में शत् प्रतिशत दिए गए लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित कि जाए। उन्होंने झींगा पालन के कार्य में अपेक्षा के अनुरूप प्रगति न होने पर नाराजगी जाहिर की और निर्देश दिए कि समय सीमा में सभी कार्य सुचारू रूप से संचालित किए जाएं। उन्होंने जिला मत्स्य अधिकारी हरदा द्वारा अब तक दिए गए लक्ष्य के प्रति शत प्रतिशत प्रगति न लाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए जिला मत्स्य अधिकारी हरदा को अपने प्रदर्शन में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने संयुक्त संचालक स्वास्थ्य विभाग डॉक्टर मनीष गर्ग को निर्देश दिए कि वे आयुष्मान आरोग्य भारत मिशन के तहत 70 प्लस व्यक्तियों के बनाए जा रहे हैं आयुष्मान कार्ड के कार्य में अपेक्षित प्रगति लाए। उन्होंने कहा कि अभी आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य धीमी गति से चल रहा है उसे और तेजी से बढ़ाए। कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी विभागों में कर्मचारियों को पात्रता अनुसार समय मान वेतन मान प्राथमिकता से दिए जाने एवं समय मान वेतनमान का अनुमोदन कोष एवं लेखा से कराकर एरियर्स की राशि देने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने जल जीवन मिशन के तहत किया जा रहे हर-घर नल कनेक्शन की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त की और कहां की प्रतिदिन किए जाने वाले नल कनेक्शन का कार्य जो धीमी गति से चल रहा है इसमें तेजी लाते हुए 31 मार्च तक और अपेक्षित प्रगति लाई जाए। उन्होंने अनु उपयोगी खुले बोरवेल एवं कूप के गडडो को बंद करने के निर्देश दिए और कहां की इससे यदि कोई संभावित दुर्घटना होती है तो संबंधित व्यक्ति पर नियम अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कमिश्नर श्री तिवारी ने गत दिवस अपर मुख्य सचिव द्वारा बैठक में दिए गए निर्देशों का पालन कर सभी अधिकारियों को पालन प्रतिवेदन भिजवाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने आईटीआई महाविद्यालय में महिलाओं के लिए रिजर्व 30त्न सीटे जो रिक्त हैं भरने के निर्देश दिए और कहां की इसके लिए बालिकाओं एवं महिलाओं के बीच व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए और उन्हें आईटीआई में एडमिशन लेने के लिए प्रेरित किया जाए।

ग्रीष्मकालीन मूंग सिंचाई हेतु संभागीय जल उपभोक्ता समिति की बैठक संपन्न

1 अप्रैल से सिवनी मालवा, 3 से मिसरोद उप संभाग डोलरिया, 5 से इटारसी तथा 5 से 8 अप्रैल के बीच सोहागपुर के लिए नहरों से पानी छोड़ने का फैसला

नर्मदापुरम. कमिश्नर कार्यालय नर्मदापुरम में मंगलवार को नर्मदापुरम संभाग आयुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता में ग्रीष्मकालीन मूंग सिंचाई हेतु संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक मिथलेश कुमार शुक्ला, डीआईजी आशीष खरे, हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह, पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम डॉ गुरूकरन सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौजान सिंह रावत, मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग राजाराम मीना, संयुक्त संचालक कृषि बी.एल बिलैया सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे। बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी ऑनलाईन उपस्थित रहे। बैठक में सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि हरदा जिले हेतु बायीं तट मुख्य नहर से 27 मार्च 2025 की शाम 05.00 बजे तवा नहर में पानी प्रवाहित किया जाएगा। सिवनी मालवा की रायगढ, मकढई एवं भिलाडियां नहरों के लिए 1 अप्रैल 2025 की शाम 05.00 बजे से, मिसरोद उपसंभाग डोलरिया के लिए 3 अप्रैल 2025 की शाम 05.00 बजे से, तवा परियोजना संभाग इटारसी के लिए 5 अप्रैल 2025 की शाम 05.00 बजे से तथा पीबीसी संभाग सोहागपुर हेतु दायीं तट मुख्य नहर से किसानों की मांग के अनुसार 05 अप्रैल से 8 अप्रैल 2025 के मध्य जल प्रवाह शुरू कर दिया जाएगा। इस दौरान मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग राजाराम मीना ने बताया कि तवा बांध में 1004 एमसीएम पानी है जिसमें से 838 एमसीएम पानी सिंचाई के लिए उपलब्ध रहेगा। कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने नहरों की सुरक्षा के लिए पुलिस, जल संसाधन विभाग के अमले, राजस्व विभाग के अमले एवं एमपीबी के अमले को संयुक्त रूप से पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के किसानों को मूंग एवं गेहूं के अलावा मक्का की फसल लगाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए। मक्का का रकबा भी बढाया जाए।

जनसुनवाई में 101 आवेदनों का हुआ निराकरण, अपर कलेक्टर ने त्वरित कार्यवाही के दिए निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री डी.के. सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों पर शीघ्र कार्रवाई कर समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान कुल 101 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का समाधान किया गया। अपर कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करें।

जनसुनवाई के दौरान पिपरिया निवासी मनीष मछरिया ने अपने बड़े भाई की मृत्यु के उपरांत अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर अपर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं ईदगाह निवासी, मीना छिरौले ने प्रधानमंत्री आवास योजना की तृतीय किस्त जारी न होने के कारण निर्माण कार्य बाधित होने की समस्या से अवगत करवाया गया। समस्या के निराकरण के लिए अपर कलेक्टर द्वारा संबंधित विभाग को त्वरित समाधान के लिए निर्देशित किया गया। इसी प्रकार भीलपुरा निवासी नागरिकों ने शासकीय मार्ग पर किए गए अतिक्रमण की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण के कारण आवागमन बाधित हो रहा है। अपर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को शिकायत का परीक्षण उपरांत नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में श्रीमती सुमन ने आवेदन देते हुए सेवानिवृत्ति के पश्चात लंबित एरियर राशि के शीघ्र भुगतान की मांग की। अपर कलेक्टर ने इस संबंध में आवेदन कर्ता को नियमानुसार स्वत्वो का भुगतान करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान अतिक्रमण, अवैध कब्जा, सीमांकन, जैसी अन्य समस्याओं से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई।

पुलिसकर्मियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

गंजबासौदा। शहर थाने में 20 फरवरी से 31 मार्च तक चलने वाले लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग द्वारा निरोगी काया अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। जिसमें एसडीओपी मनोज मिश्रा सहित शहर थाने के लगभग 55 से अधिक पुलिस कर्मियों ने ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच कर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उचित परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग से स्वास्थ्य परीक्षण हेतु डॉक्टर अफसाना मंसूरी, डॉक्टर सुबोध कुमार, सीएचओ नारायण सिंह, शहरी आशा कार्यकर्ता टीना झा, अनिता वैरागी, रीना सिलावट विशेष रूप से उपस्थित रहीं। स्वास्थ्य शिविर में शहर थाने के एएसआई विनोद कुमार शर्मा का विशेष व सराहनीय सहयोग रहा।

हत्या के मामले में 3 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

इटारसी। मंगलवार को तृतीय जिला एवं सत्र न्यायधीश इटारसी श्रीमती सुशीला वर्मा ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले में 3 आरोपियों को आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई। अदालत ने रोहित राजपूत आ. स्व. रविशंकर राजपूत, नि. नयापुरा, पुरानी इटारसी को सार्वजनिक स्थान पर चाकूमार कर हत्या करने, गजेन्द्र उर्फ सचिन पटेल आ. महेन्द्र दास पटेल, नि. कैलाश विहार कॉलोनी, पुरानी इटारसी को चाकू मारकर घायल करने के अपराध में, अंकित पिता पवन भाट, निवासी भाट मोहल्ला, इटारसी, राहुल उर्फ रानू आ. फूल सिंह राजपूत, नि. उत्तरी बंगलिया, इटारसी तथा अमन उर्फ इशू मालवीय आ. मनीष मालवीय, नि. 12वीं लाइन इटारसी को दोषी मानते हुये दंडित किया। आरोपी को धारा 302 भादवि में आजीवन कारावास एवं 3000-3000 रु.जुर्माना, धारा 307 में 10 वर्ष सश्रम कारावास एवं 1000-1000 रू. जुर्माना, धारा 506 में 7 वर्ष सश्रम कारावास एवं 1000-1000 रू. जुर्माना एवं अंकित भाट तथा रानू ठाकुर को चाकू रखने के अपराध मे धारा 25 आयुध अधिनियम के अंतर्गत 3 वर्ष कारावास एवं 500-500 रूपए तथा धारा 294 भादवि मे 3 माह का कारावास एवं 500-500 रू जुर्माना से दण्डित किया है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार फार्मर रजिस्ट्री कार्य तेजी के साथ जारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में फार्मर रजिस्ट्री एवं ई-केवाईसी कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करने के लिए कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से किसानों का पंजीयन एवं ई-केवाईसी सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे वे विभिन्न कृषि लाभ योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व अमले द्वारा घर-घर जाकर किसानों को योजना की जानकारी दी जा रही है एवं उनके फार्मर रजिस्ट्री हेतु सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही, विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर शिविर लगाकर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। रात्रि के समय सर्वर की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भी पंजीयन कार्य किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार राजस्व अधिकारियों द्वारा समय-समय पर इन शिविरों का निरीक्षण कर फार्मर रजिस्ट्री प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा की जा रही है। प्रशासन द्वारा सभी किसानों से अपील की गई है कि वे निकटतम शिविर में जाकर शीघ्र अपना पंजीयन एवं ई-केवाईसी पूर्ण कराएं, जिससे वे शासकीय योजनाओं का लाभ उठा सकें।

फार्मर रजिस्ट्री के लिए किया जा रहा शिविरों का आयोजन..

मेट्रो एंकर सेवा भारती नर्मदा पुरम छात्रावास में छात्राओं का विदाई समारोह

संस्कार और समरसता लोगों के बीच बांटेंगे तभी शिक्षा का उद्देश्य पूर्ण होगा : शुक्ल

इटारसी, दोपहर मेट्रो

आशा महेंद्र शुक्ल जनजाति कन्या छात्रावास धुरपन इटारसी में 12 वीं कक्षा की छात्राओं का विदाई समारोह नर्मदा पुरम संभाग के आईजी मिथिलेश कुमार शुक्ला के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर छात्रावास के संरक्षक पूर्व आईपीएस अधिकारी महेंद्र शुक्ल एवं उनकी धर्मपत्नी आशा महेंद्र शुक्ल, सेवा भारती के जिला अध्यक्ष सतीश सांवरिया, छात्रावास समिति के सचिव सोनू बिंद्रा उपस्थित थे।

आईजी मिथिलेश शुक्ला ने बच्चों के साथ अपने बचपन के अनुभव बांटते कहा कि जब वह छोटे थे तो इसी प्रकार अनुशासन में रहते हुए कार्य करते थे। उन्होंने भी अपना जीवन अनुशासनात्मक रहते हुए व्यतीत किया। बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वह छात्रावास के लिए हर संभव प्रयत्न करेंगे, जहां उनकी आवश्यकता होगी वे छात्रावास की बच्चियों के लिए सदैव तत्पर रहेंगे, उन्होंने छात्रावास की बच्चियों को अग्नि वीर के प्रशिक्षण के लिए छात्रावास में ही सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही।

महेंद्र शुक्ल ने बच्चों को आशीर्वाद देकर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि आप जहां भी जाएंगे छात्रावास में दिए संस्कारों को बांटकर और भी लोगों को संस्कारवान बनाना यह छात्रावास हमेशा आपके लिए उपलब्ध है। छात्रावास की संरक्षक श्रीमती आशा महेंद्र शुक्ल ने एक कहानी के माध्यम से बच्चों को समझाया कि आपने जो छात्रावास से सीखा है, जो संस्कार, समरसता और संगठन का भाव उन्हें आप जहां भी जाएंगे आप लोगों के बीच बांटना तभी छात्रावास का उद्देश्य पूर्ण होगा।

सेवा भारती के जिला अध्यक्ष सतीश सांवरिया ने बताया कि सेवा भारती के विभिन्न आयाम कैसे काम करते हैं और छात्रावास में पढने वाली बच्चों को कैसे गोद लिया जा सकता है। अभी लगभग 50 सदस्यों ने छात्रावास की बच्चियों को गोद लिया है। छात्राओं द्वारा एक नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। 12 वीं की छात्राओं को उपहार स्वरूप कपड़े व बैग नीता ठाकुर एवं छात्रावास समिति सदस्यों द्वारा प्रदान किए।

छात्राओं ने अपने अनुभव भी सुनाये। संचालन जागृति भदौरिया ने एवं आभार समिति के सदस्य निर्मल सिंह राजपूत ने किया। इस अवसर पर दीपा, छात्रावास सह अधिशिक्षिका सुनैना, प्रकाश, छात्रावास कोषाध्यक्ष देवेंद्र, पूर्णकालिक वीरेंद्र दीक्षित, मनोज राय, डॉ. रविन्द्र गुप्ता, नारायण सोनी, आशीष भदौरिया, आरएस राठौर, छबिराज सोनी, सौरभ शर्मा, जगदेव, देवेंद्र और छात्राओं के पेरेंट्स उपस्थित थे।

हिल सिटी कॉलोनी पर डायवर्सन राशि जमा नहीं करने पर चलाया बुलडोजर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

डायवर्सन की बकाया राशि जमा नहीं करने पर हिल सिटी कॉलोनी पर प्रशासन ने जेसीबी चलकर मुख्य द्वारा सड़क को नष्ट करके बकाया राशि जल्दी जमा नहीं करने पर संपत्ति की कुर्की की कार्रवाई की चेतावनी दी अन्य बकायदार कॉलोनीयों पर में इसी तरह की करवाई तरह तलवार लटकी हुई है प्रशासन ने शीघ्र राशि जमा नहीं करने वालों पर इसी तरह की कार्रवाई करने की बात कही है।

जैसे जेसीबी चलना प्रारंभ हुई तो कई प्रीमियम की राशि जमा करने के लिए तहसील कार्यालय पहुंच गए।शहर में चारों तरफ बैध अबैध कॉलोनीयों का खेल जोर शोर से चल रहा है अधिकांश कॉलोनाइजर जनता जनार्दन के साथ छल कपट करने के काम तो लंबे बरसों से करते आ रहे हैं। अब कुछ कॉलोनाइजर प्रशासन को भी चूना लगाने में पीछे नहीं है तभी कॉलोनी बनाते समय प्लाट बेचने के लिए डायवर्सन तो करवा दिया पर ज्यादातर प्लांट बिक जाने के बाद प्रीमियम की राशि इनके द्वारा जमा नहीं की जा रही है। जबकि इस राशि को जमा करने के लिए कई बार तहसीलदार के द्वारा संबंधित कॉलोनाइजर्स को डायवर्सन की बकाया शुल्क जमा करने के लिए कई नोटिस भी जारी किए पर कॉलोनी काटने वालों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया तो बकाया राशि वसूलने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बुलडोजर की कार्रवाई आरंभ कर दी गई है इसके बाद कई बकायदार राशि जमा करने

के लिए भी तहसील पहुंचे।

वहीं मंगलवार को तहसीलदार संजय चौरसिया राजस्व विभाग के अमले के साथ जेसीबी को लेकर हिल सिटी कॉलोनी पहुंचे इन्होंने कॉलोनाइजर को अंतिम अबसर देने के बाद भी राशि जमा नहीं करने पर प्रतीकात्मक कॉलोनी के मुख्य द्वार को जेसीबी से पूरी तरह से नष्ट करते हुए कॉलोनी में बने पक्के मार्ग को भी तोड़कर उखाड़ दिया इसके बाद भी कॉलोनाइजर डायवर्सन की बकाया शुल्क जमा करने नहीं आता है तो कुड़की की करवाई प्रशासन के द्वारा की जाएगी । इस काबी की धाक लगते ही कई कॉलोनाइजर तहसील कार्यालय में राशि जमा करने के लिए पहुंच गए वहीं कुछ कॉलोनी को भी प्रीमियम की राशि जमा नहीं करने पर इसी तरह की कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है तहसीलदार संजय चौरसिया ने बताया कि हिल सिटी कॉलोनी नाइजर पर डायवर्सन की 8 लाख 35 हजार रुपए की राशि बकाया है इसको जमा करने के लिए कई बार नोटिस दिए फिर भी राशि जमा नहीं की तो हमने राशि वसूलने के लिए ठोस कार्रवाई प्रारंभ की है प्रारंभिक रूप से कॉलोनी मे अभी केवल मुख्य द्वार और सड़कों को नष्ट किया है शीघ्र ही बकाया राशि जमा नहीं की गई तो उक्त कॉलोनी की भूमि को कुर्की करके बकाया राशि वसूलने का कार्य करेंगे इसके अलावा जितने भी कॉलोनाइजर है जिन्होंने डायवर्सन की राशि जमा नहीं की गई है उनको प्रीमियम की राशि 31 मार्च से पहले जमा करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं जो भी डायवर्सन की बकाया राशि जमा नहीं करेगा उसके खिलाफ इसी तरहकी करवाई की जाएगी । इस बार राजस्व वसूली का लक्ष्य पूरा करने लिए कलेक्टर रोशन सिंह के द्वारा डायवर्सन की बकाया राशि सख्ती के साथ वसूली के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिये है इसके बाद प्रशासन के अधिकारी पूरी तरह से वसूली करने में जुटे हुए हैं। कितनी राशि प्रतिदिन जमा हो रही है इसकी मॉनीटरिंग भी कलेक्टर के द्वारा की जा रही है जहां से डायवर्सन की राशि अधिकारी वसूल नहीं कर पा रहे हैं उनको कलेक्टर की खरी खोटी भी सुनाई पड़ रही है इसके कारण इन अधिकारियों कर्मचारियों का ध्यान भी इस समय वसूल पर ज्यादा है। वसूली का लक्ष्य करोड़ 25 लख रुपए का कलेक्टर के द्वारा विकासखंड के अधिकारियों को दिया है उस लक्ष्य को पूरा करने के लिए अधिकारी कर्मचारियों के पसीने छूट रहे हैं। अभी तक 60त्न के करीब लक्ष्य प्राप्त कर लिया है बचे हुए हुए दिनों मे कड़ी कार्रवाई करके लक्ष्य को पूरा करने के लिए अधिकारी कर्मचारी धरातल पर जोर लगा रहे हैं तभी तो बुलडोजर चलाने की करवाई कॉलोनियों मैं की जा रही है।

इनका कहना है

डायवर्सन की शुल्क जमा नहीं करने वालों पर अब ठोस कार्रवाई की जा रही है आने वाले दिनों में बकाया जमा ने करने वालों की संपत्ति कर्क करेंगे।

-संजय चौरसिया
तहसीलदार

आयोजन को लेकर बैठक संपन्न, ध्वज स्थापना हुई

महामाई मेले में दिखती है सनातन और समरसता की छठा : विधायक शर्मा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जनता जनार्दन के सहयोग से विशाल मेले का आयोजन हर वर्ष महामाई होता है। व्यवस्थाओं को लेकर मेला परिसर में मंगलवार को महामाई सेवा समिति बैठक का आयोजन हुआ जिसका शुभारंभ महामाई माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए महामाई सेवा समिति के संरक्षक एवं विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा की चैत्र नवरात्र का यह उत्सव सनातन धर्म का आस्था का प्रमुख त्यौहार है इसका बहुत प्राचीन महत्व है सूर्य के से पहले उठे स्नान ध्यान करके जल अर्पित करें नवीन वस्त्र धारण करें फिर पूजन करें जीवन में सनातनधर्म को आत्मसर करे सच्चे मान से मातारानी की भक्ति करें। महामाई मैया का आयोजन संपूर्ण सनातन धर्म के बंधुओं की सहभागिता से ही सफल होता है । मैया के दरबार में धूमधाम से आयोजित होने वाले मेले में सनातन एवं समरसता की भव्य छठा दिखाई देती है।

उन्होंने कहा की आज हम सोशल मीडिया पर तो सक्रिय है लेकिन हमें धरातल पर भी सक्रिय होकर मेले को सफल करने हेतु मेहनत करने की जरूरत है हम सब हमारे त्यौहार बड़े धूम धाम से मनाये, हमारे आदर्श राम, कृष्ण, ध्रुव, प्रहलाद हमारे आदर्श है हमें धर्म की नीति पर चलकर आगे बढ़ना है सनातन धर्म मेले की तैयारी से जोड़ने 15 साल से ऊपर के बच्चों को जोड लाने का आवाहन भी किया। वहीं महामाई मंदिर के प्रधान पुजारी आचार्य पंडित नलंनीकांत शर्मा ने आशीर्वाचन देते हुए कहा की आप सबके ऊपर मैया महामाई की कृपा बनी रहे। इसी तरह आयोजन होते रहे। मैया के दरबार में तन मन धन से सहयोग करने से ही यह मेला अपनी भव्यता को प्राप्त कर सका है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं एवं समिति सदस्यों से जनकल्याण के लिए यहां होने वाले श्री दुर्गा विद्या नवदुर्गा शतचंडी महायज्ञ में भी सपरिवार आहुति देने का आव्हान किया। साथ ही अन्य व्यवस्थाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। आभार समिति के सदस्य लक्ष्मण सिंह बघेल द्वारा व्यक्त किया गया।

ध्वज स्थापना के साथ हुआ श्री महामाई मेले का शुभारंभ

इसके पूर्व मंगलवार की दोपहर में नगर की आराध्या देवी जगत जननी श्री महामाई माता (डांगवाली) के जागृत दरबार में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर परंपरानुसार आयोजित होने वाले विशाल मेले का शुभारंभ ध्वज स्थापना के साथ हुआ। महामाई माता मंदिर के प्रधान पुजारी पं. नलिनीकांत शर्मा ने मुख्य यजमान ओमप्रकाश रघुवंशी के द्वारा मेला प्रांगण में वैदिक मंत्रोच्चारों से ध्वज पूजन कराकर विधिवत ध्वज स्थापना कार्य सम्पन्न कराया तथा मेले के शुभारंभ की घोषणा की।

महामाई के दरबार में पंद्रह दिवसीय मेला

श्री महामाई माता के दरबार में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर 25 मार्च से 07 अप्रैल तक चलेगा चैत्र नवरात्रि प्रारंभ होने के पूर्व पांच दिवसीय फाग लोकोत्सव के अंतर्गत विभिन्न प्रदेशों की लोककलाओं के साथ सांस्कृतिक आयोजन भी महामाई मंदिर के प्रांगण में सम्पन्न होंगे। इसी श्रृंखला में बुधवार को राजस्थान के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न होंगे।

तहसील कार्यालय के कृष्ण कुमार तिवारी का निधन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर के तहसील कार्यालय में पदस्थ कृष्ण कुमार तिवारी (पिंटू बाबू) का 55 वर्ष की आयु में मंगलवार सुबह 5.30 बजे बीमारी के चलते निधन हो गया। श्री तिवारी ने सहायक ग्रेड 03 तहसील कार्यालय तेंदूखेड़ा में अपनी सेवाएं तहसीलदार रीडर, कानून गो, नायब नाजिर जैसे कई महत्वपूर्ण पदों पर 26 वर्ष की सेवाएं दी हैं। निवास पर तहसीलदार विवेक व्यास, नायब तहसीलदार चंद्रषेखर षिल्पी, आरआई करन सिंह ठाकुर, समस्त पटवारियों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने पहुंचकर अपनी शोक संवेदना व्यक्त कर श्रद्धांजली दी। अंतिम संस्कार गृह नगर दमोह में

दोपहर 01 बजे हृदयपुर मुक्तिधाम में किया गया। श्री तिवारी अपने पीछे पत्नि एवं एक बेटे को छोड़ गए हैं।

एक्सीडेन्ट के बाद कथा वाचक पंडित सुरेष तिवारी का इलाज के दौरान हुआ निधन

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा जनपद के छोटे से गांव बैलवाडा में जन्म लेकर पूरे प्रदेश में विख्यात सरस कथा वाचक के रूप में गौरव पाने वाले पंडित सुरेश तिवारी

का 56 वर्ष की आयु में एक्सीडेंट में घायल हो जाने पर जबलपुर के एक निजी अस्पताल में मंगलवार सुबह 7 बजे निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही नगर में शोक व्याप्त हो गया। अंतिम संस्कार गृह ग्राम बैलवाड़ा में शाम 5 बजे किया गया। इस दौरान बडी संख्या में राजनेता, नगर के गणमान्य नागरिक एवं श्री तिवारी के षिष्यों ने पहुंचकर अपनी शोक संवेदना व्यक्त कर श्रद्धांजली दी। श्री तिवारी अपने पीछे 2 बेटा, पत्नि एवं 3 बेटियों को छोड़कर चले गए हैं। ज्ञात हो कि 14 मार्च को शाम 5.30 बजे अजीतपुर खमरिया से तेंदूखेड़ा आ रहे सुरेष तिवारी को अन्य मोटरसाइकिल सवार ने टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल होने पर जबलपुर रिफर किया गया था। लेकिन मंगलवार की सुबह उन्होनें अंतिम सांस ली।

राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्ण आवासीय शिविर का समापन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

अमर वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना का पूर्ण आवासीय शिविर के समापन अवसर पर स्वयंसेवी छात्र-छात्राओं ने सात दिवसीय शिविर के अनुभव साझा किए एवं भविष्य में समाज सेवक के रूप में कार्य करने का निर्णय लिया सभी स्वयंसेवी छात्र छात्राओं को एनएसएस कैंप के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सात दिवसीय शिविर में महिला इकाई की कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती रिचा लोधी एवं श्रीमती रूबी दुबे रही। सहायक के रूप में आकाश ठाकुर एवं पुरुष इकाई के कार्यक्रम अधिकारी सुरेश डोडवे में एवं पर्वेंद्र चक्रवर्ती सहायक के नेतृत्व में रहे। इस दौरान आईटीआई के प्राचार्य एवं महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर, श्रीमती दीपिका, राजेंद्र सर, डॉ. अरुणेंद्र कुमार पटेल, डॉ. संध्या स्थापक, मेघसिंह वर्मा, डॉ. मनीषा कुमारी, भागीरथ अहिरवार उपस्थित रहे।

किसान के नाम पर फर्जी केसीसी लोन, बैंक बना रहा है वसूली के लिए दाबाव, कलेक्टर से लगाई अर्जी

सिरोंज । आइसीआइसीआइ बैंक के द्वारा किसान के नाम पर फर्जी दस्तावेजों से केसीसी बना कर वसूली का दबाना जा रहा है इसके कारण किसान मानसिक रूप से परेशान है और उसने सामने कलेक्टर को आवेदन देकर दोषियों पर करवाई की गुहार लगाई है। मामला ग्राम विश्रामपुर के किसान मोहनसिंह के नाम पर आईसीआईसीआई बैंक ने फर्जी तरीके से किसान क्रेडिट कार्ड का लोन निकाल दिया। अब बैंक कर्मचारी वसूली के लिए दबाव बना रहे हैं। मोहनसिंह का कहना है कि उन्होंने कभी भी आईसीआईसीआई बैंक से किसान क्रेडिट कार्ड नहीं बनवाया। इसके बावजूद बैंक कर्मचारी बार-बार वसूली के लिए परेशान कर रहे हैं। 17 मार्च 2025 को यहां बैंक शाखा पहुंचे। यहां पर शाखा प्रबंधक पंकज प्रजापति से जानकारी मांगी, लेकिन उन्होंने कोई भी दस्तावेज दिखाने से इनकार कर दिया।

ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी ने कलेक्टर, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नगर पालिका अमला पहुंचा ईदगाह पर सफाई करने

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

ईद के पावन पर्व पर साफ सफाई टेंट पानी और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर की मांग। सिरोंज । ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के जिला अध्यक्ष अल्ताफ खान के नेतृत्व में तहसील कार्यालय में पहुंचकर अनुविभागी अधिकारी हर्षल चौधरी को एक ज्ञापन कलेक्टर महोदय के नाम अन्य तहसीलों में साफ सफाई पानी की व्यवस्था टेंट की व्यवस्था को लेकर ज्ञापन दिया। अनुविभागीय अधिकारी से ज्ञापन देकर मांग की है कि मुस्लिम समाज का त्यौहार ईद का पर्व 31 मार्च या 1 अप्रैल को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। नगर पालिका परिषद से ईद के दिन

साफ सफाई अपनी छाया था टेंट और अन्य मार्गो पर एक दिन पूर्व छूने की लाइन लगे जावे एवं मुख्य मार्गो को पानी से धोया जावे। एवं ईद के दिन मार्गो पर पुलिस की व्यवस्था कराई जाए जिससे जाम की समस्या उत्पन्न ना हो। त्योहार कमेटी के अध्यक्ष ने बताया कि ईद की विशेष नमाज ईदगाह पर 7ः15 पर अदा की जाएगी साथ ही जामा मस्जिद में 7 बजकर 30 मिनट पर अदा की जावेगी । बिलाल मस्जिद में 7.45 पर ताज मस्जिद में 8ः00 बजे कमलगिरन मस्जिद मे 8.15 पर ईद की नमाज अदा की जाएगी । त्योहार कमेटी के अध्यक्ष ने मौला अली का प्राचीन पहाड़ जो अलीगंज की पहाड़ी पर बना हुआ है जिसमें सभी धर्म के लोग घूमने एवं अपनी मन्नतें मांगने जाते हैं जो शेर की अनमोल धरोहर है जिसमें लाइट एवं पानी की व्यवस्था करने की मांग की है। इस दौरान हाफिज शम्स कमर सलमान अमीन इरफान मंसूरी अब्दुल अलीम वसीम अख्तर शानू आदि लोग उपस्थित रहे ।

मेट्रो एंकर रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में आगजनी की घटनाओं को लेकर विभाग चिंता में, वन्य प्राणी अभी तो प्राकृतिक जल स्त्रोतों से ही पी रहे हैं पानी

जंगलों को आग से बचाने वॉच टावर, वन्य प्राणियों की प्यास बुझाने बनाए हौज

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में गर्मी को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। इसके साथ ही जलसंकट की आशंका स्थिति से निपटने के लिए टाइगर रिजर्व में हौज तैयार किए जा रहे हैं। वहीं गर्मी में आग की घटनाओं की रोकथाम के लिए भी फायर लाइन व फायर वाच तैयार किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक वर्तमान में तो बाघ, तेंदुआ, नीलगाय, भालू, चिंकारा, काला हिरण जैसे वन्य जीव प्राकृतिक जल स्त्रोतों के पानी से गला तर कर रहे हैं लेकिन अप्रैल के बाद इन प्राकृतिक जलस्त्रोतों में सूखने की औषांका बनी रहती है इसीलिए वन्य जीवों को पानी के लिए होज बनाए जा रहे हैं। ये हौज जमीन की मिट्टी खोदकर सीमेंट कांक्रीट से तैयार कराए जा रहे हैं। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर एए अंसारी का कहना है कि वन्य जीवों को गर्मी में पानी के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जा रहे हैं। जंगल में पहले से 30 सीमेंट हौज बने हैं

इस साल अलग-अलग रेंज में 10 और बनाए जा रहे हैं। इनमें रात के समय पानी भरा जाएगा ताकि पानी ठंडा बना रहे। हर दो दिन में हौज में पानी भरने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हौज को इस तरह से बनाया जा रहा है कि उसमें वन्य जीव आसानी से अंदर-बाहर आज जा सकें

120 फायर वाचर रखेंगे आग पर नजर

गर्मी में अक्सर जंगल में आग लगती है। आग बढ़ने पर इसे बुझाना कठिन हो जाता है। पिछले सालों की घटनाओं से सबक लेते हुए वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में इस बार आग पर काबू पाने और रोकथाम को लेकर बड़े स्तर पर प्लानिंग की गई है। समय रहते आग बुझाने और आग लगने से रोकने के लिए 120 फायर वाचर काम करेंगे। इसके अलावा अग्निशामक यंत्र, पानी के टैंकर, फर्स्ट एड बाक्स के साथ बीट स्तर पर अलग-अलग टीमें काम करेंगी।

आईपीएल: दोनों टीमें पहली जीत के लिए उतरेंगी

आज भिड़ेंगे सैमसन के रॉयल्स और रहाणे के नाइटराइडर्स

गुवाहाटी, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के छठे मुकाबले में आज राजस्थान रॉयल्स का सामना कोलकाता नाइटराइडर्स से होगा। मैच राजस्थान के सेकेंड होमग्राउंड गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। दोनों टीमों का यह सीजन में दूसरा मैच होगा। कोलकाता को अपने पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच आईपीएल में अब तक 30 मैच खेले गए। 14 में राजस्थान और 14 में ही कोलकाता को जीत मिली। जबकि एक मुकाबला बेनतीजा रहा और एक बारिश की वजह से रद्द हो गया था। गुवाहाटी में दोनों टीमों का दूसरी बार सामना होगा।

सैमसन-जुरेल ने हैदराबाद के खिलाफ अर्धशतक लगाया था: आरआर के टॉप ऑर्डर में संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल, शिमरोन हेटमायर, रियान पराग का एक्सपीरियंस मौजूद है। सैमसन और ध्रुव जुरेल ने पिछले

मैच में हैदराबाद के खिलाफ अर्धशतक लगाया था। जुरेल ने 70 और सैमसन ने 66 रन की पारी खेली थी। नीतीश राणा और शुभम दुबे बैटिंग को और भी मजबूत कर रहे हैं। वहीं, बॉलिंग में तुषार देशपांडे ने 3 और महीश तीक्षणा ने 2 विकेट लिए थे।

बेंगलुरु के खिलाफ कप्तान रहाणे ने 56 रन की पारी खेली थी: कोलकाता के पास 4 से 7 नंबर तक वर्ल्ड क्लास फिनिशर्स हैं। पिछले मैच में बेंगलुरु के खिलाफ टीम के लिए कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 56 रन की पारी खेली थी। वहीं, सुनील नरेन ने 44 रन बनाए थे। चक्रवर्ती, नरेन, हर्षित और वैभव अरोड़ा गेंदबाजी को मजबूत कर रहे हैं।

पिच रिपोर्ट: गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम की पिच बैटिंग फ्रेंडली होती है। यहां पर अब तक हाई स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिले हैं। यहां अब तक 4 आईपीएल मैच खेले गए हैं। 2 में पहले बैटिंग करने वाली टीम को जीत मिली। एक मुकाबला चेज करने वाली टीम ने जीता। एक मैच बेनतीजा रहा। यहां का हाईएस्ट टीम स्कोर 199/4 है, जो राजस्थान ने 2023 सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बनाया था। मैच वाले दिन गुवाहाटी का मौसम काफी गर्म रहेगा। पूरे दिन तेज धूप रहेगी। बारिश की बिल्कुल भी संभावना नहीं है। बुधवार को यहां का तापमान 22 से 37 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है।

आईबीएसए वर्ल्ड कप जूडो कॉम्पीटीशन तिब्लिसी 2025 जॉर्जिया में

खेल अकादमी के जूडो खिलाड़ी कपिल परमार ने जीता कांस्य पदक

नईदिल्ली, एजेंसी

आईबीएसए वर्ल्ड कप जूडो कॉम्पीटीशन का आयोजन तिब्लिसी (जॉर्जिया) में किया गया। तिब्लिसी (जॉर्जिया) में आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में म.प्र. राज्य जूडो अकादमी भोपाल के खिलाड़ी कपिल परमार ने शानदार खेल प्रदर्शन कर कांस्य पदक अर्जित किया। तिब्लिसी (जॉर्जिया) में हो रही आईबीएसए वर्ल्ड कप जूडो कॉम्पीटीशन 2025 के पहले दिन 2 मुकाबले खेले गये, जिसमें कपिल परमार ने रूस और कजाकिस्तान के खिलाड़ियों को पछाड़ते हुये सेमीफायनल में प्रवेश किया। सेमीफायनल के इस रोमांचक मुकाबले में खेल अकादमी के खिलाड़ी कपिल परमार ने पुरूष वर्ग के -70 किग्रा पैरा ब्लाइंट इवेन्ट में इटली के खिलाड़ी से परास्त होकर कांस्य पदक से संतुष्ट होना पड़ा। उल्लेखनीय है कि कपिल परमार पेरिस ओलम्पिक 2024 के कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी है। यह प्रतियोगिता आगामी पैरालम्पिक 2024-28 की बडी प्रतियोगिता मे से है। वर्तमान में वह म.प्र. राज्य मार्शल आर्ट (जूडो) अकादमी के खिलाड़ी है। कांस्य पदक विजेता कपिल परमार के खेल प्रदर्शन की सराहना करते हुये मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बधाई दी है।

तात्याटोपे स्टेडियम स्थित संचालनालय खेल और युवा कल्याण कार्यालय में श्री राकेश कुमार गुप्ता (आईपीएस) ए.डी.जी. पुलिस ने नवीन खेल संचालक के रूप में पदभार ग्रहण किया। श्री राकेश कुमार गुप्ता वर्ष 1999 बैच के आईपीएस आफिसर है। एडीजी डॉ. रवि कुमार गुप्ता की उपस्थिति में नवीन पद का भार ग्रहण

किया। इससे पूर्व राकेश कुमार गुप्ता अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेश विशेष सशस्त्र बल के अतिरिक्त प्रभार में थे। पदभार ग्रहण करने के समय संयुक्त संचालक खेल बीएस यादव, संयुक्त संचालक वित्त, योगेन्द्र श्रीवास्तव और विभागीय अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

लाजियो से हारने के बावजूद जुवेंटस कोपा इटालिया के फाइनल में पहुंचा

रोम, एजेंसी

अर्कांडियुज मिलिक ने विकल्प के रूप में अपने पहले स्पर्श से गोल करके जुवेंटस को कोपा इटालिया फाइनल में पहुंचा दिया। जुवे ने पहले चरण में लाजियो पर अपनी 2-0 की बढ़त को वैलेन्टिन कैस्टेलानोस के डबल से मिटा दिया था। लेकिन पोलैंड के स्ट्राइकर मिलिक ने बेंच से चढ़ने के कुछ ही सेकंड बाद नेट हासिल कर लिया, क्योंकि जुवे को रात में 2-1 से हराया गया था, लेकिन कुल मिलाकर 3-2 से आगे हो गया। अगले महीने फाइनल में जुवे का सामना फियोरेंटीना या अटलंता से होगा। यूनाइटेड के स्टार रासमस होजलुंड ने अल नासर स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो को नजरअंदाज करते हुए अंग्रेजी दिग्गज को अपना ड्रीम पार्टनर बताया मेहमान टीम सबसे पहले आक्रमण पर थी और फिलिप कोस्टिक का अवरुद्ध शॉट एंड्रिया कैम्बियासो के पैरों पर जा लगा, जिसका लो ड्राइव कई इंच चौड़ा उड़ गया। लेकिन यह लाजियो ही था जिसने रात को बढ़त ले ली और 12 मिनट के बाद कुल घाटे को आधा कर दिया। लुइस अल्बर्टो एक कोने में घूम गए और कैस्टेलानोस सुदूर पोस्ट पर एलेक्स सैंड्रो से ऊपर उठ गए और अपने हेडर को मटिया पेरिन के पास दबा दिया। पहले चरण के दो गोलस्कोरर, डुसान व्लाहोविक और फेडेरिको चिएसा, लगभग बराबरी पर आ गए। वन इंडिया चियासा ने व्लाहोविक को नजदीक से गोल करने के लिए उकसाया लेकिन

उनके प्रयास को क्रिस्टोस मंडास ने बचा लिया। जुवे के मिडफील्डर मैनुएल लोकाटेली को व्यक्तिगत झटका लगा जब उन्हें निकोलो कैसले पर बेईमानी के लिए बुक किया गया, जिसका मतलब है कि वह फाइनल में नहीं खेल पाएंगे। हाफ टाइम से दो मिनट पहले बराबरी पर आ जाना चाहिए था जब उसने खुद को पेरिन के साथ आमने-सामने पाया। जुवे कीपर तेजी से बाहर आया और बढ़त बनाए रखने के लिए एक अच्छा बचाव करने में सक्षम था। लुइस अल्बर्टो द्वारा खेले जाने के बाद दूसरे हाफ में तीन मिनट में अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने कोई गलती नहीं की।

मेट्रो बाजार

300 से सस्ते उत्पादों पर अमेजन ने हटाया कमीशन

फैसला... पर बैंक डिस्काउंट पर देना होगा चार्ज

मुंबई, एजेंसी

दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने एक तरफ छोटे विक्रेताओं को बड़ी राहत दी है, वहीं शॉपिंग करने वाले ग्राहकों को झटका दिया है। अमेजन ने अपने प्लेटफॉर्म पर बिकने वाले 300 रुपए से कम कीमत के 1.2 करोड़ से ज्यादा प्रोडक्ट्स पर विक्रेताओं से कोई रेफरल शुल्क नहीं लेने का फैसला किया है। अमेजन की इस पहल के तहत शून्य रेफरल शुल्क परिधान, जूते, फैशन आभूषण, किराना, घर की सजावट और साज-सज्जा, सौंदर्य, खिलौने, रसोई उत्पाद, मोटर वाहन और पालतू पशु उत्पादों जैसी 135 उत्पाद कैटेगरी में लागू होगा। कंपनी ने कहा कि यह फैसला छोटे कारोबारियों को बढ़ावा देने बिजनेस बढ़ाने में मदद करने के मकसद से लिया गया है। रेफरल फीस एक कमीशन है जो विक्रेता हर बेचे गए उत्पाद के लिए अमेजन को देते हैं।

शिपिंग चार्ज घटा : रेफरल फीस के अलावा कंपनी ने अपने सभी विक्रेताओं के लिए शिपिंग चार्ज को भी घटा दिया है। अमेजन ने फ्लैट शिपिंग रेट की शुरुआत की है। यह सेलर फ्लेक्स और इजी शिप जैसी डिलीवरी सर्विस का उपयोग करने वाले विक्रेताओं के लिए है। पहले 77 रुपए शिपिंग दर थी, जिसे अब कम करके 65 रुपए कर दिया है। साथ ही प्लेटफार्म पर 1 किलो से कम वजन वाले प्रोडक्ट्स के लिए हैंडलिंग शुल्क भी 17 रुपए तक कम की गई है।

ज्यादा ब्याज वाली एफडी की ओर लौटे निवेशक, दो साल में निवेश 23 गुना बढ़ा

आरबीआई रिपोर्ट : बाजार की उठापटक से सुरक्षित विकल्पों में बढ़ा रहे निवेश

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में पिछले 6 माह से भारी उतार-चढ़ाव का दौर बना हुआ है। ऐसे में बैंकों में सावधि जमा (एफडी) के प्रति लोगों का रुझान एक बार फिर बढ़ा है। आरबीआइ के मुताबिक, लगातार उच्च ब्याज वाली एफडी में निवेश बढ़ रहा है और दो साल में ही इसमें 23 गुना तक उछाल आया है। आरबीआइ की मासिक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2022 में बैंकों से जुड़ी विविध जमा योजनाओं के तहत एफडी की हिस्सेदारी काफी कम थी। 7-8त्न ब्याज देने वाली एफडी योजनाओं में जमा धनराशि 2.8 फीसदी थी, जो दिसंबर 2024 में बढ़कर 64.9 फीसदी हो गई है। यानी अधिक रिटर्न वाली एफडी में निवेश 23 गुना बढ़ गया। बैंकों का संकट कम हुआ 8 फीसदी से अधिक ब्याज वाली सावधि जमा की हिस्सेदारी भी इस अवधि में 1.7 फीसदी से बढ़कर 5.9 फीसदी तक पहुंच गई है। 5त्न से कम रिटर्न देने वाली एफडी योजनाओं में जमा धनराशि का प्रतिशत कम हुआ है। इनमें मार्च 2022 में 34.2 फीसदी तक धनराशि जमा थी, जो दिसंबर 2024 तक गिरकर 2.9 फीसदी रह गई। एफडी में निवेश बढ़ने से बैंकों में जमा धनराशि की दिक्कत काफी हद तक घटी है। पिछले साल जुलाई तक बैंकों के सामने जमा धनराशि का संकट था।

महिला वनडे विश्व कप: मुल्लांपुर स्टेडियम में खेला जाएगा फाइनल

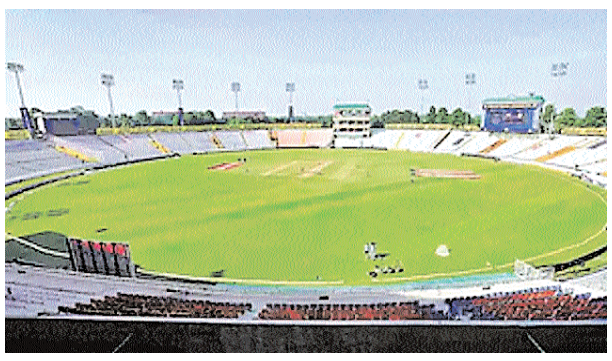

नईदिल्ली, एजेंसी

इस साल भारत की मेजबानी में खेले जाने वाले आइसीसी महिला वनडे विश्व कप का फाइनल चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्थित महाराज यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जाएगा। मंगलवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, इस टूर्नामेंट का आयोजन 29 सितंबर से 26 अक्टूबर 2025 तक होगा। हालांकि बीसीसीआइ ने अभी तक टूर्नामेंट के कार्यक्रम की आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं की है।

यहां होंगे मैच : रिपोर्ट के तहत विखाशापत्तनम, रायपुर, इंदौर, चंडीगढ़ व तिरुवंतपुरम में मुकाबले खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में आठ टीमें चुनौती पेश करने के लिए उतरेंगी। कप्तान हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका व द. अफ्रीका क्वालीफाई कर चुकी हैं।

सौ सप्ताह शीर्ष पर, स्विटेक ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी

मैड्रिक, एजेंसी

स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्विटेक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 100 सप्ताह तक नंबर-1 पायदान पर रहने वाली पोलैंड की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। स्विटेक अप्रेल 2022 में पहली बार शीर्ष पर काबिज हुई थीं। वह 4 अप्रेल 2022 से 10 सितंबर 2023 बीच 75 सप्ताह तक शीर्ष पर रहीं। लेकिन आर्यना सबालेंका के शीर्ष स्थान पर आने के बाद वह आठ सप्ताह के लिए नंबर दो पर रहीं। इसके बाद छह नवंबर 2023 को वह फिर शीर्ष पर काबिज हो गई और 25 सप्ताह से दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी हैं। मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी- इस उपलब्धि पर इगा स्विटेक ने कहा, मैंने कभी इसकी उम्मीद नहीं की थी। वास्तव में इतने लंबे समय तक शीर्ष पर रहना मुझे गौरवान्वित करता है। स्विटेक गुरुवार को मैड्रिड ओपन के पहले दौर के मुकाबले में चीन की वेंग झियु के खिलाफ उतरेंगी।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

तनिषा ने 21 साल से नहीं दी एक भी हिट, फिर भी मेकर्स मेहरबान

तनिषा मुखर्जी ने साल 2003 में करण नाथ, डिनो मोरिया संग फिल्म 'श्हहह' से फिल्मों की दुनिया में कदम रखा था और उनकी पहली ही फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर ढेर हो गई थी जिसके बाद वह साल 2004 में फिल्म 'पॉपकॉर्न खाओ! मस्त हो जाओ' में नजर आई थीं. तनिषा की बैक-टू-बैक दो फिल्में बॉक्स-ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थीं. उसके बाद तनिषा ने जितनी भी फिल्मों में काम किया वो सभी फिल्में बॉक्स-ऑफिस पर फ्लॉप होती चली गईं. साल 2005 में एक्ट्रेस की फिल्म 'सरकार' आई थी जिसने बॉक्स-ऑफिस पर औसतन कमाई कर तनिषा का खाता खोला था. फिल्म 'सरकार' को टिकट खिड़की पर सेमी-हिट का टैग मिला था. 'सरकार' की सफलता के बाद तनिषा उसी साल फिल्म 'टैंगो चार्ली' में दिखी थीं. 2010 के बाद तनिषा मुखर्जी ने फिल्मों से एक लंबा ब्रेक ले लिया था जिसके बाद उन्होंने साल 2016 में फिल्म 'अन्ना' से एक लंबे अरसे बाद पर्दे पर वापसी की. हालांकि, उनकी ये कमबैक फिल्म भी दर्शकों पर कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई थी. बीते 21 साल में तनिषा मुखर्जी बॉक्स-ऑफिस पर एक भी हिट फिल्म नहीं दे पाई हैं. हालांकि, बैक-टू-बैक फ्लॉप फिल्में देने के बावजूद तनिषा मुखर्जी को फिल्मों में काम मिलता रहा है। तनिषा मुखर्जी ने सुपरस्टार बहन काजोल संग तुलना के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने बताया कि अक्सर उन्हें इंडस्ट्री में काजोल संग कंपेयर किया जाता है, लेकिन वह इसे नेगेटिव तरीके से नहीं देखती हैं. एक इंटरव्यू में तनिषा मुखर्जी कहती हैं, 'मैं काजोल की तरह नहीं बन सकती और वह मेरी तरह नहीं बन सकती हैं. काजोल ने दुनिया को दिखाया कि उनके पास कितना टैलेंट है और अब मेरी बारी है कि दुनिया को दिखाऊं कि मैं क्या कर सकती हूं'.

प्रियंका बोलीं- बेटी के बाद जीवन में हुए बदलाव

प्रियंका चोपड़ा सफल अभिनेत्रियों में शुमार हैं। वह इंटरनेशनल आइकन हैं। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक देसी गर्ल ने अपने अभिनय का जलवा दिखाया है। अभिनेत्री हर मुद्दे पर काफी बेबाकी से बयान देती हैं। कई बार फैंस प्रियंका के इस रवैये की सराहना करते हैं। अब हाल ही में, प्रियंका ने बताया कि बेटी मालती मैरी के जन्म के बाद उनके जीवन के साथ-साथ अभिनेत्री के सोने के समय में भी काफी बदलाव आया है। हाल ही में, प्रियंका ने इस बात का खुलासा किया है कि बेटी के जन्म के बाद उनकी नींद का समय बदल गया है। हालांकि, वह अपने सोने के समय को लेकर हमेशा से ही काफी सतर्क रही हैं। प्रियंका ने यह भी कहा कि मालती बिल्कुल उसके जैसी है और उनकी कई आदतें बिल्कुल प्रियंका से ही मिलती हैं। हालांकि, मालती कुछ चीजों में निक पर भी गई हैं। उन्होंने कहा, जब मैं देखती हूं कि मैं ध्यान आकर्षित करने में कितनी सहज थी, तो कुछ बच्चे इससे कतराते थे, लेकिन मुझे कैमरे के सामने होने में कोई समस्या नहीं थी। मुझे मंच पर कोई समस्या नहीं थी, मैं हमेशा ध्यान का केंद्र थी, मेरी बेटी ऐसी ही है। मालती बिल्कुल ऐसी ही है।

अमोल पाराशर को गुपचुप डेट कर रही हैं कोंकणा सेन शर्मा!

रणवीर शौरी के एक ट्वीट ने पूर्व पत्नी कोंकणा सेन शर्मा को लेकर एक सनसनी मचा दी है। रणवीर के ट्वीट इशारा कर रहा है कि कोंकणा को-स्टार अमोल पाराशर को डेट कर रही हैं। एक पैरोडी अकाउंट ने कोंकणा और अमोल को लेकर ट्वीट किया, जिस पर रणवीर शौरी ने कमेंट किया है। पिछले कुछ दिनों से चर्चा चल रही हैं, जिन्हें एक्ट्रेस के पूर्व पति व एक्टर रणवीर शौरी ने इनडायरेक्टली कन्फर्म कर दिया है। रणवीर ने एक ऐसा ट्वीट किया है, जिससे इशारा मिल रहा है कि कोंकणा और अमोल के बीच कुछ चल रहा है। कोंकणा के फैंस उस वक्त हैरान रह गए, जब अचानक ऐसी खबरें आने लगीं कि अमोल को गुपचुप डेट कर रही हैं। हाल ही एक पर पैरोडी अकाउंट से ट्वीट किया। राजनेताओं और अन्य हस्तियों पर कटाक्ष करने के लिए मशहूर इस अकाउंट पर लिखा गया कि कोंकणा सेन शर्मा ने मोदी भक्त रणवीर शौरी को छोड़कर सेक्युलर अमोल पाराशर को डेट करने का सबसे अच्छा फैसला लिया।

फैंसकमेंट्स: अब एक्टर के इस कमेंट से हलचल मच गई। फैंस को लगने लगा है कि कोंकणा वाकई एक्टर अमोल पाराशर को डेट कर रही हैं। इस ट्वीट से सोशल मीडिया पर सनसनी मच गई है। एक यूजर ने लिखा, कोंकणा, अमोल को डेट कर रही हैं? ये कब हुआ? एक अन्य ने लिखा, यह किसी की निजी जिंदगी है. इसमें मत पड़ो दोस्त। मालूम हो कि कोंकणा सेन शर्मा अभी भी फिल्मों में एक्टिव हैं और 'पेज 3' व 'वेक अप सिड' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं।

एक्ट्रेस कोंकणा सेन और रणवीर की शादी व तलाक

कोंकणा की बात करें तो उन्होंने रणवीर शौरी को साल 2007 में डेट करना शुरू किया था, और 2010 में एक निजी समारोह में शादी कर ली थी। साल 2011 में वो एक बेटे के पैरेंट्स भी बने। लेकिन साल 2020 में कोंकणा सेन और रणवीर शौरी का तलाक हो गया। हालांकि दोनों आज भी अच्छे दोस्त हैं और मिलकर बेटे की परवरिश कर रहे हैं।

ट्रेन के गेट पर खड़े यात्री का मोबाइल झपटा

भोपाल। जयपुर एक्सप्रेस में अजमेर से हैदराबाद की यात्रा कर रहे यात्री का मोबाइला अज्ञात लडक़े ने झपट्टा मारकर छीन लिया। फरियादी ने इटारसी स्टेशन पहुंचने पर प्रकरण दर्ज कराया था। वहां से डायरी जीआरपी भोपाल भेजी गई है। फरियादी का कहना है कि पटरी के पास खड़े लडक़े ने हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल झपट लिया था। रेलवे पुलिस के मुताबिक सनसिटी हैदराबाद निवासी मुकेश पापालाजी (37) विगत 21 मार्च को ट्रेन जयपुर एक्सप्रेस के एस-7 कोच की बर्थ नंबर 79 पर अजमेर से हैदराबाद की यात्रा कर रहे थे।

रेलवे स्टेशन भोपाल से ट्रेन के चलते ही आउटर पर एक लडक़े ने उनके हाथ में रखा मोबाइल झपट्टा मारकर छीन लिया। मोबाइल की कीमत 32 हजार रुपए बताई गई है। फरियादी ने इटारसी पहुंचने पर जीआरपी थाना इटारसी में शून्य पर प्रकरण दर्ज कराया था। वहां से डायरी जीआरपी थाना भोपाल भेजी गई है।

मादक पदार्थ तस्करों से साढ़े 8 किलोग्राम गांजा बरामद

भोपाल। राजधानी की क्राइम ब्रांच ने 2 मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास साढ़े आठ किलोग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। दोनों तस्करों को टीम ने उस वक्त दबोचा, जब वह गांजे की खेप लेकर किसी को सप्लाई करने वाले थे। आरोपी उक्त मादक पदार्थ कहां से लेकर आए थे और किसको सप्लाई करने वाले थे, इसको लेकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली कि वीआईपी गेस्ट हाउस के पीछे कोहेफिजा स्थित एक निर्माणाधीन बिल्डिंग के पास दो युवक पिट्ठू बैग लेकर खड़े हैं। उनके बैगों में मादक पदार्थ हो सकता है। अगर जल्दी ही दोनों को पकड़ा नहीं गया तो वह मादक पदार्थ को इधर-उधर कर सकते हैं। मुखबिर ने दोनों युवकों का सटीक हुलिया भी पुलिस को बताया था। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की एक विशेष टीम बनाकर मौके पर भेजी गई और बताए गए हुलिए के संदेहियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ करने पर दोनों के नाम सचिन कुचबंदिया (20) नि सुरखी जिला सागर हाल बिजली घर के पास झुग्गी थाना सूखीसेवनिया और निखिल जायसवाल (22) नि नवजीवन कालोनी छोला मंदिर बताया। पिट्ठू बैग की तलाशी लेने पर 8 किलो 350 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

कार की टक्कर से पलटा आटोरिक्शा दो घायल

भोपाल। सवारी छोड़कर लौट रहे एक आटो को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी, जिससे आटो पलट गया। इस हादस में आटो चालक और उसके दोस्त को चोट आई है। पुलिस के मुताबिक फैजान मिर्जा (38) बाणगंगा टीटी नगर में रहता है और आटो चलाता है। कल सुबह वह सवारी छोडऩे के लिए शाहजहांनाबाद स्थित पुरानी अदालत के पास गया था। सवारी छोडऩे के बाद वह अपने दोस्त फरहान के साथ आटो से न्यू मार्केट लौट रहा था। शाहजहांनाबाद पानी की टंकी के पास तीन मोहरा गेट के पास पहुंचा, तभी परी बाजार की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसके आटो को टक्कर मार दी, जिससे आटो पलट गया। आटो पलटने से चालक फैजान और फरहान घायल हो गए। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया

महिला के पेट में मारी गुप्ती, चचेरे भाई पर किया तलवार व हंसिए से हमला, डंडों से भी पीटा

जमीन विवाद को लेकर दो परिवारों के बीच चले धारदार हथियार, 7 घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया के ग्राम तरावली कला में सोमवार दोपहर जमीनी विवाद को लेकर दो सगे भाइयों के परिवारों के बीच खूनी संघर्ष छिड़ गया। पहले एक भाई के परिवार ने दूसरे परिवार की मां-बेटी व बुजुर्ग पर तलवार और गुप्ती से हमला किया। उनकी कार व बाइक में भी तोड़फोड़ की। इसके कुछ देर बाद पीड़ित परिवार के लोगों ने भी हमला करने वाले परिवार पर डंडों व धारदार हथियार से धावा बोल दिया। झगड़े में दोनों पक्षों की चार महिलाओं समेत कुल सात लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने जानलेवा हमला, तोड़फोड़ व अन्य धाराओं समेत उभयपक्षीय प्रकरण दर्ज किए हैं।

पुलिस के मुताबिक ग्राम तरावली कला निवासी शबाना बी पत्नी शहाबुद्दीन खान (42) का परिवार खेती-किसानी करता है। शहाबुद्दीन का अपने भाई फरीद खां के परिवार से जमीनी विवाद चल रहा है। विगत 24 मार्च की दोपहर साढ़े तीन बजे शबाना बी के परिजनों ने गेहूं कटाई के लिए हार्वेस्टर बुलाया था।

हार्वेस्टर जाने के बाद शबाना बी की मां बिल्किस बी और शहाबुद्दीन का चाचा रईस खां अपने खेत के पास रोड पर खड़े थे। तभी फरीद खां की पत्नी शमीम बी आई और फसल काटने की बात को लेकर गाली-गलौज करने लगीं। कुछ देर बाद फरीद का लडक़ा अरमान गुप्ती और फरीद की लड़कियां नसरीन, नाजमा व सरगम हाथों में हंसिया लेकर आ धमके।

चारों ने मिलकर तीनों पर हमला कर दिया। हमले में शबाना के दाहिने हाथ व दाहिने तरफ कमर में गंभीर चोट लगी है जबकि बिल्किस बी के पेट में गुप्ती लगने से गंभीर चोट आई है। शबाना के चाचा रईस के साथ भी बुरी तरह मारपीट की गई। उसी दौरान फरीद खां और उसकी लडक़ी बुलबुल डंडे लेकर आ गए और बाप-बेटी ने भी उनके साथ डंडों से मारपीट की। सभी आरोपियों ने वहां खड़ी कार व मोटरसाइकिल में तोडफ़ोड़ की और धमकी देते हुए भाग गए कि आईदा फसल काटने आए तो जान से खत्म कर देंगे। घायलों को इलाज के लिए बैरसिया के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शबाना बी की शिकायत पर फरीद, अरमान, शमीम बी, नसरीन, नाजमा, सरगम व बुलबुल के खिलाफ प्रकरण दर्ज

कुछ देर बाद आरोपियों पर कर दिया हमला

बैरसिया पुलिस के मुताबिक ग्राम तरावली कला निवासी फरीद खां (48) खेती-किसानी करते हैं। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि विगत 24 मार्च की शाम करीब साढ़े चार बजे शहाबुद्दीन के चाचा रईस खां (45) निवासी शुजालपुर और रईस का लडक़ा अमन तथा उनका साथी अमजद खां अपनी कार से आए और डंडे व पत्थरों से मारपीट करने लगे। जिससे फरीद खां के सिर में चोट आ गई। इस बीच रईस ने अरमान पर तलवार से वार किया। उसके सिर व चेहरे पर चोटें आई हैं। इतने में शहाबुद्दीन का लडक़ा शादाब और उसका भाई शानू अपनी बाइक से आए और नाजमा व शमीम बी के साथ डंडे से मारपीट की। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने फरीद की शिकायत पर रईस, अमन, शादाब, शानू खां व अमजद खां के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

जिम करके बाहर निकल रही छात्रा को युवती ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पीटा

सिर, सीने व हाथ में आई चोट, प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विशाल फिटनेस सेंटर से जिम करके बाहर निकल रही कॉलेज छात्रा के साथ जिम करने वाली एक युवती ने अपने बॉयफ्रेंड व अन्य साथियों के साथ मिलकर मारपीट कर दी। छात्रा के सिर, सीने व हाथ में चोटें आई हैं। पुलिस ने युवती व उसके बॉयफ्रेंड समेत चार लोगों के खिलाफ मारपीट का प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक रचना टावर के पास गोविंदपुरा निवासी शिवांगी सिंह सिसोदिया (19) बीकॉम प्रथम वर्ष की छात्रा हैं। वह लिंक रोड क्रमांक-एक स्थित विशाल फिटनेस सेंटर में जिम करने जाती हैं। विगत 24 मार्च की रात करीब 10 बजे वह अपने साथी अथर्व सक्सेना व लक्ष्य के साथ जिम करके विशाल फिटने से बाहर आ रही थी। उसी दौरान जिम में जिम करने वाली विशाखा उसके पास पहुंची और किसी पुरानी बात को लेकर गाली-गलौज करने लगी।

शिवांगी ने उसे गाली देने से मना किया तो विशाखा ने अपने बॉयफ्रेंड, सहेली व बाला नाम के एक व्यक्ति के साथ मिलकर शिवांगी के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी। मारपीट में शिवांगी के सिर, सीने व हाथ में चोट आई है। पुलिस का कहना है कि शिवांगी के दोस्तों अथर्व व लक्ष्य ने बीच-बचाव किया।

विशाखा और उसके साथी छात्रा को जान से मारने की धमकी दे रहे थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

उधारी नहीं लौटने पर युवक से मारपीट

भोपाल। गौतम नगर इलाके में उधारी नहीं लौटाने पर एक युवक के साथ उसके सेठ ने मारपीट कर दी। जानकारी के अनुसार विदिशा निवासी आकाश शर्मा पेंटिंग का काम करता है। होली से पहले उसने अपने सेठ माजिद अंसारी से साढ़े तीन हजार रुपए एडवांस लिए थे। विगत दिवस दोनों डीआईजी बंगला के पास मिले। इस दौरान माजिद ने अपने रुपये वापस मांगे। आकाश ने बताया कि आपके के यहां काम करने आया हूं, उसी में एडवांस की रकम काट लेना। इस पर माजिद ने उसके साथ मारपीट कर दी। इस दौरान आकाश का कीपैड वाला मोबाइल फोन भी कहीं गिर गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

आइडिया टॉवर से सामान चुरा रहे दो बदमाशों को रंगे हाथ दबोचा, पुलिस को सौंपा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार के दानिश कुंज रोड स्थित आइडिया मोबाइल टॉवर से सामान चोरी कर रहे दो चोरों को रंगे हाथों दबोचकर पुलिस के हवाले किया गया है। एचआरटी अलार्म से सूचना मिलने पर स्टॉफ हरकत में आया और बदमाशों को मौके पर ही पकड़ लिया। दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक सौभाग्य नगर अशोका गार्डन निवासी संजय उपाध्याय (38) मैग्नम एन्वायरमेंट प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय वैशाली नगर में मैनेजर के पद पर हैं। सीधी काम्प्लेक्स दानिश कुंज रोड पर आईडिया कंपनी का टॉवर है। विगत 24 मार्च की शाम करीब पांच बजे एचआरटी इंदौर के अलार्म से सूचना आई कि एचआरटी चल रहा है। मौके पर पहुंचे तो देखा कि दो अज्ञात लोग टॉवर से एसी का कम्प्रेशर व तांबे का पाइप और एसी की क्वाइल काट कर चोरी कर रहे हैं।

सामान की कीमत करीब 50 हजार थी। मैनेजर समेत स्टॉफ ने दोनों चोरों को रंगे हाथों दबोच लिया। चोरी के सामान के साथ दोनों बदमाशों को कोलार थाने ले जाकर पुलिस के हवाले कर दिया गया। आरोपियों से पूछताछ की

एसी कम्प्रेशर व एसी क्वाइल समेत करीब 50 हजार का सामान चोरी कर भाग रहे थे

मेट्रो एंकर जिसकी सड़क हादसे में मौत हुई, उसी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लगा दिया खात्मा

होटल जलसा रिट्रीट के शैफ की मौत पर अब कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र के बरखेड़ी गांव मेन रोड पर मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने से होटल जलसा रिट्रीट के शैफ गंभीर रूप से घायल हो गए थे। निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। हादसे के बाद से वह बेहोश थे। करीब सात दिन बाद उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने मर्ग कायम कर तफ्तीश की तो पता चला कि मृतक की लापरवाही के कारण ही हादसा हुआ था। लिहाजा पुलिस ने मृतक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज कर मामले में खात्मा लगा दिया है। पुलिस के मुताबिक ईश्वर नगर निवासी कामता प्रसाद पांडे (45) होटल जलसा रिट्रीट में शैफ थे। विगत 12 फरवरी को वह अपने दोस्त और होटल के सुपरवाइजर अनिल वानखेड़े निवासी ललिता नगर के साथ ड्यूटी कर लौट रहे थे। दोनों अपनी-अपनी मोटरसाइकिल पर थे।

अनिल थोड़ा आगे चल रहे थे। इस बीच रात करीब 11 बजे बरखेड़ी गांव वाले रोड पर शारदा विद्या मंदिर स्कूल के सामने कामता प्रसाद की बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। आवाज होने पर अनिल वानखेड़े अपनी गाड़ी मोडक़र लौटे तो कामता प्रसाद को बेहोशी की हालत में पड़ा देखा।

तभी पीछे से कोलार थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक अपनी कार से वहां से गुजरे। उन्होंने कामता प्रसाद की गंभीर हालत देखते हुए एंबुलेंस का इंतजार न कर अपनी गाड़ी से जेपी अस्पताल पहुंचाया।

जेपी अस्पताल से हमीदिया अस्ताल रेफर किया लेकिन परिजनों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस का कहना है कि कामता प्रसाद हेलमेट पहने थे लेकिन उसका क्लिप नहीं लगा था। इस कारण सिर में गंभीर चोट आई थी। शारदा विद्या मंदिर स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरे से भी डिवाइडर से टकराने की पुष्टि हुई है। विगत 18 फरवरी को कामता प्रसाद की मौत हो गई थी।

आर्थिक तंगी के चलते युवक ने बनाई लूटपाट की योजना

पूछताछ में हुआ खुलासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा इलाके में दिनदहाड़े ज्वैलर्स की दुकान पर कट्टा अड़ाकर लूटपाट की कोशिश करने वाला आरोपी युवक आर्थिक तंगी से परेशान चल रहा था। इसी कारण उसने लूटपाट की योजना बनाई थी। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में यह खुलासा किया है। उसके पिता सीआईएसएफ से रिटायर हैं, लेकिन परिवार से अलग रहते हैं। आरोपी अपनी मां और बहन के साथ रहता है तथा दोस्त के साथ रेत का काम करता है। पुलिस आरोपी का आपराधिक रिकार्ड खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार विष्णु हाईटेक सिटी बावडिया कला में रहने वाले मनोज जैन रोहित नगर स्थित लैंडमार्क कालोनी में ज्वैलर्स की दुकान चलाते हैं। सोमवार दोपहर को एक नकाबपोश युवक उनकी दुकान पर पहुंचा और सोने की चैन दिखाने का बोला। मनोज ने उससे चेहरे से नकाब हटाने का बोला तो युवक ने जेब से पिस्टल निकाल ली और सोने-चांदी के आभूषण देने की बात करने लगा। मनोज ने जब इसका विरोध किया तो उसने दो हवाई फायर भी कर दिए। उसके बाद उसने गल्ले में हाथ डालकर सोने की चैन, अंगूठी और पांच हजार रुपए भी निकाल लिए। इसी बीत दुकान का कर्मचारी विनोद भी पहुंच गया। मनोज और विनोद ने हिम्मत दिखाते हुए बदमाश को दबोच लिया और पिस्टल छीन ली।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022